● वर्ष-2
● अंक-245
रायपुर, रविवार
04 जून 2023
● पृष्ठ-6
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।
समाचार पचीसा
राजनीति का जनपक्षकार

अवकाश सूचना

समाचार पचीसा के कार्यलय में 4 जून रविवार अवकाश रहेगा। समाचार पचीसा का अगला अंक 6 जून मंगलवार को प्रकाशित होगा।

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा: पीएम मोदी

मरने वालों की संख्या 280 के पार पहुंची, हादसे को पीएम मोदी ने बताया विचलित करने वाला

नईदिल्ली। ओडिशा के हालासोर में हुए रेल हादसे के पीड़ितों का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। रेल अधिकारियों ने जानकारी दी कि 3 जून तक हादसे के कारण जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 288 हो गई, जबकि 747 लोग घायल हुए और 56 गंभीर रूप से घायल हुए हैं। आर्मी, एयरफोर्स सहित कई टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी है। ट्रेन के डिब्बों में अभी भी कई लोगों के फंसे होने की बात कही जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 3 जून को ओडिशा के बालासोर का दौरा किया। उन्होंने दुर्घटनास्थल का दौरा किया और चल रहे राहत कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने स्मारकीय त्रासदी को कम करने के लिए %संपूर्ण सरकार% दृष्टिकोण पर भी जोर दिया। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि जिन लोगों ने अपना जीवन खोया है ये बहुत दर्दनाक था। जो लोग घायल हुए हैं सरकार उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह एक गंभीर घटना है। हर प्रकार की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। जो दोषी पाया जाएगा उसे सख्त से सख्त सजा दी जाएगी।

ओडिशा के बालासोर से घायल यात्रियों को ले जा रही एक बस 3 जून को बंगाल के मेदिनीपुर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बस यात्रियों को ले जा रही थी जो 2 जून को ओडिशा के बालासोर जिले में तीन ट्रेनों की दुर्घटना में घायल हो गए थे। दुर्घटना के बाद मेदिनीपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात जाम हो गया। इलाके में बस की पिकअप वैन से आमने-सामने टक्कर हो गई। घायल यात्रियों को इलाज के लिए बंगाल के विभिन्न जिलों में भेजा जा रहा है। बस में सवार कई लोगों के मामूली रूप से घायल होने की आशंका है. पुलिस ने घायलों को बाहर निकालना शुरू कर दिया है और उन्हें पश्चिम बंगाल के विभिन्न चिकित्सा केंद्रों में भेजा जा रहा है।

विभिन्न देशों के नेताओं ने जताई संवेदना

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो सहित दुनिया भर के नेताओं ने ओडिशा में हुई ट्रेन दुर्घटना के पीड़ितों के परिवारों और भारत सरकार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। भारत के चार दिवसीय दौरे पर आए नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचंड ने ट्वीट करते हुए कहा कि ओडिशा में ट्रेन हादसे में लोगों की मौत से दुखी हूं। मैं दुख की इस घड़ी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, सरकार और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने कहा कि ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे के बारे में जानकर उन्हें गहरा दुख हुआ।

कैसे हुई दुर्घटना

हावड़ा जा रही 12864 बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस के कई डिब्बे बाहानगा बाजार में पटरी से उतर गए और दूसरी पटरी पर जा गिरे। अधिकारी ने कहा कि पटरी से उतरे ये डिब्बे 12841 शालीमार-चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस से टकरा गए और इसके डिब्बे भी पलट गए। उन्होंने बताया कि चेन्नई जा रही कोरोमंडल एक्सप्रेस के डिब्बे पटरी से उतरने के बाद एक मालगाड़ी से टकरा गए, जिससे मालगाड़ी भी दुर्घटना की चपेट में आ गई। पहले कोरोमंडल एक्सप्रेस पटरी से उतरी और इसके 10-12 डिब्बे बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस की पटरी पर जा गिरे।

सिग्नल में गड़बड़ी की आशंका

रेलवे सुरक्षा आयुक्त नागर विमानन मंत्रालय के अधीन काम करता है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि हादसा किस वजह से हुआ, लेकिन सूत्रों ने संकेत दिया है कि इसका संभावित कारण सिग्नल में गड़बड़ी होना है। पर्यवेक्षकों द्वारा एक बहु-अनुशासनात्मक संयुक्त निरीक्षण नोट में यह निष्कर्ष निकाला गया था कि कोरोमंडल एक्सप्रेस को निर्दिष्ट मुख्य लाइन से गुजरने के लिए हरी झंडी दी गई थी, और फिर सिग्नल बंद कर दिया गया था। लेकिन ट्रेन लूप लाइन में घुस गई, खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई और पटरी से उतर गई। इसी दौरान डाउन लाइन पर यशवंतपुर से सुपरफास्ट एक्सप्रेस ट्रेन आ गई और उसके दो डिब्बे पटरी से उतर गए।

ओडिशा ट्रेन हादसा: सवाल बाद में, तत्काल राहत एवं बचाव जरूरी: खड़गे

नईदिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को ओडिशा के बालासोर ट्रेन दुर्घटना में कई यात्रियों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि सरकार से सवाल रविवार तक इंतजार कर सकते हैं क्योंकि बचाव और राहत एक तात्कालिक कार्य है। पार्टी नेता सोनिया गांधी ने भी बालासोर में यात्रियों की मौत पर शोक जताया।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने एक बयान में कहा, ओडिशा में भयानक ट्रेन हादसे से मैं सबसे ज्यादा दुखी और व्यथित हूं। मैं सभी शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति और संवेदना व्यक्त करती हूं।

इस बीच, खड़गे ने ट्रेन दुर्घटना में यात्रियों की मौत पर भी शोक व्यक्त किया और कहा कि पार्टी को प्रधानमंत्री और रेल मंत्री से पूछने के लिए कई सवाल हैं, लेकिन वे इंतजार कर सकते हैं क्योंकि तात्कालिक काम बचाव और राहत का है। एक बयान में, खड़गे ने कहा, ओडिशा में भयानक ट्रेन दुर्घटना के कारण गंभीर राष्ट्रीय त्रासदी के इस क्षण में मैंने कांग्रेस पार्टी के पूरे संगठन को हर संभव और आवश्यक मदद देने का निर्देश दिया है।खड़गे ने कहा कि विभिन्न राज्यों से कांग्रेस के कई नेता या तो पहले ही पहुंच चुके हैं या जल्द ही बालासोर पहुंचेंगे।कांग्रेस प्रमुख ने कहा, मैं एक बार फिर शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। हमें प्रधानमंत्री और रेल मंत्री से कई सवाल पूछने हैं, लेकिन वे इंतजार कर सकते हैं, क्योंकि तत्काल बचाव और राहत का काम है। खड़गे के विचारों से सहमति जताते हुए कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, ओडिशा में रेल दुर्घटना वास्तव में भयावह है। यह सबसे बड़ी पीड़ा का विषय है। इससे एक बार फिर स्पष्ट है कि रेल नेटवर्क में सुरक्षा क्यों सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। ऐसे कई वाजिब सवाल हैं जिन्हें उठाने की जरूरत है लेकिन उन्हें कल तक इंतजार करना चाहिए।कांग्रेस नेताओं की यह टिप्पणी शुक्रवार शाम ओडिशा के बाहानगा बाजार रेलवे स्टेशन के पास एक ट्रेन दुर्घटना में 261 लोगों की मौत के बाद आई है।

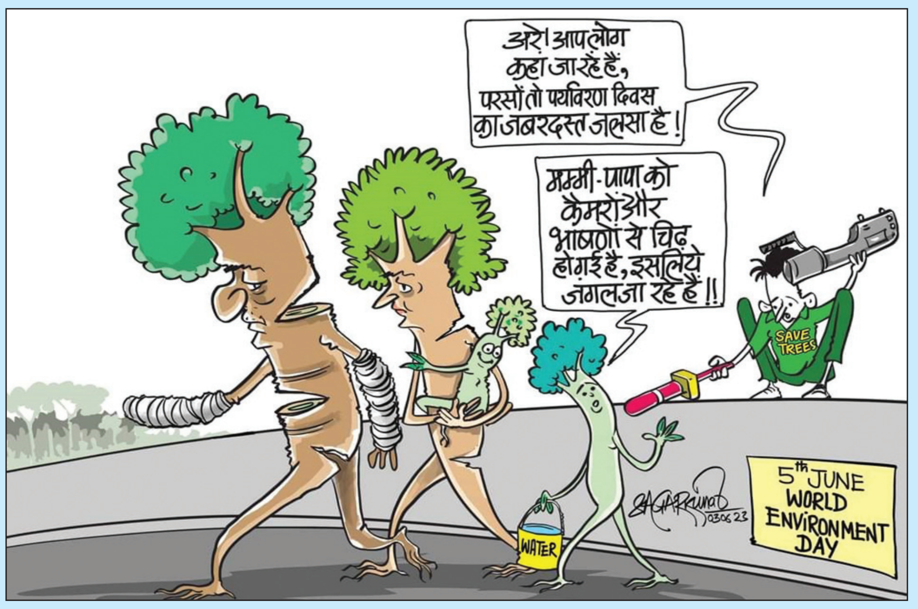
अरे! आप लोग कहां जा रहे हैं, परसों तो पर्यावरण दिवस का जबरदस्त जलसा है!
मम्मी-पापा को कैमरों और भाषणों से चिढ़ हो गई है, इसलिये जंगल जा रहे हैं!!
SAVE TREES
WATER
5th JUNE WORLD ENVIRONMENT DAY
SAGAR KUMAR 03.06.23

रेल दुर्घटना: आपदा में भी अवसर ढूँढ़ते हैं नेता: ममता

नईदिल्ली। स्थिति की गंभीरता को नहीं समझते हुए राजनीतिक दल बयानबाजी करने से बाज नहीं आते। विपक्षी नेताओं ने सुरक्षा चूक के मुद्दे पर सरकार को घेरा है और कुछ नेताओं ने तो रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की माँग भी कर डाली है।

प्रधानमंत्री ने ओडिशा में रेल दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया, राहत और परिचालन बहाली कार्यों का जायजा लिया और अस्पताल जाकर घायलों का हाल जाना। इससे पहले सुबह उन्होंने उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रात भर चले राहत कार्यों की समीक्षा की और पीड़ितों को आर्थिक से लेकर हर तरह की मदद तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। प्रधानमंत्री ने इस घटना से सबक लेने और दोषियों को नहीं बख्शने का आश्वासन भी दिया है। यह दर्शाता है कि सरकार मामले को पूरी संवेदनशीलता के साथ ले रही है। इसलिए विपक्ष को समझना चाहिए कि यह समय राजनीति का नहीं बल्कि एकजुट होकर पीड़ितों के साथ खड़े होने का है।लेकिन राजनीतिक दल बयानबाजी करने से कहां बाज आते हैं। विपक्षी नेताओं ने सुरक्षा चूक के मुद्दे पर सरकार को घेरा है और कुछ नेताओं ने तो रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के इस्तीफे की माँग भी कर डाली है। हैरत की बात है कि इस भीषण रेल हादसे के बाद देश के वह सभी पूर्व रेल मंत्री आज मीडिया से बात करने के दौरान सरकार को सीख देते नजर आये जिनके कार्यकाल में कई रेल हादसे हुए थे। लालू प्रसाद यादव, मल्लिकार्जुन खरगे, पवन बंसल, दिनेश त्रिवेदी, ममता बनर्जी आदि नेता पहले रेल मंत्री रहे हैं और आज इन सभी ने मोदी सरकार को जमकर घेरा।जबकि ऐसा बहुत कम देखने में आया है कि किसी रेल दुर्घटना के चौबीस घंटे बीतने से पहले ही देश के प्रधानमंत्री घटनास्थल पर पहुँचे हों और राहत कार्यों का जायजा लिया हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने घटनास्थल से कैबिनेट सचिव और स्वास्थ्य मंत्री से भी बात की। प्रधानमंत्री ने उनसे यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि घायलों और उनके परिवारों को हरसंभव मदद मुहैया कराई जाए। मोदी ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि शोक संतप्त परिवारों को किसी तरह की असुविधा ना हो और प्रभावितों को आवश्यक सहायता मिलती रहे। प्रधानमंत्री ने ओडिशा की राजस्व और आपदा प्रबंधन मंत्री प्रमिला मलिक के साथ-साथ स्थानीय पुलिस प्रमुख से भी बातचीत की। मोदी ने दुर्घटना के बाद इस मार्ग पर ट्रेन सेवाओं को बहाल करने के लिये किये जा रहे कार्यों की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली।

प्रमुख समाचार

एलजी मनोज सिन्हा ने की बाबा बर्फानी की प्रथम पूजा, अमरनाथ यात्रा की तैयारी पूरी

श्रीनगर ।अमरनाथ यात्रा पहली जुलाई से शुरू हो रही है। यात्रा की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं।?आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस साल की प्रथम पूजा की है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूजा में श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के कई अधिकारी भी शामिल हुए। उप राज्यपाल ने कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि देश-विदेश से जो भी श्रद्धालु अमरनाथ आएं, वे अपने साथ एक अच्छा अनुभव साथ लेकर जाएं।उन्होंने प्रदेश व देश में शांति, सुरक्षा समृद्धि के वातावरण की कामना की। पहली बार 62 दिन की अमरनाथ यात्रा एक जुलाई से शुरू होगी। यह यात्रा रक्षा बंधन 31 अगस्त तक चलेगी। यात्रा के लिए पूरे देश में पंजीकरण 17 अप्रैल से शुरू हो गया है। बाबा अमरनाथ की पवित्र गुफा से सुबह व शाम की आरती का सीधा प्रसारण होगा। देश-दुनिया में बैठे श्रद्धालु रोजाना बाबा बर्फानी की आरती का लाभ उठा सकते हैं।

सभी सांसद अपनी तनख्वाह का एक हिस्सा करें दान: वरुण

नईदिल्ली। उड़ीशा के बालेश्वर में हुए भीषण रेल हादसे में अब तक 261 लोगों की मौत हो गई है। हादसे के बाद पीएम मोदी भी दुर्घटना स्थल पहुंच गए हैं। इस बीच भाजपा सांसद वरुण गांधी ने भी रेल दुर्घटना पर शोक जताते हुए इसे हृदय विदारक बताया है। वरुण ने इसी के साथ अपने साथी सांसदों से एक बड़ी अपील भी की है।जो परिवार इस हादसे से टूटे हैं हमें उनके साथ चट्टान की तरह खड़ा होना होगा। मेरा सभी साथी सांसदों से निवेदन है कि हम सभी अपनी तनख्वाह का एक हिस्सा शोक संतप्त परिजनों के नाम कर उनकी मदद के लिए आगे आयें। पहले उन्हें सहारा मिले, फिर न्याय।रेल हादसे के बाद घटनास्थल का जायजा लेने पीएम मोदी ओडिशा पहुंच गए हैं। पीएम मोदी बालेश्वर स्थित जिला मुख्य अस्पताल में रेल दुर्घटना के घायलों व उनके स्वजनों से भी मुलाकात करेंगे। अस्पताल परिसर में ही 4.30 बजे दुर्घटना के संबंध में पत्रकारों को संबोधित करेंगे।

मणिपुर को दहलाने की साजिश नाकाम, हथियार और गोला बारूद बरामद

इंफाल । शनिवार सुबह से सेना और सुरक्षाबलों के जवानों ने लूटे गए हथियार और छिपाए गए हथियारों की बरामदगी के लिए अभियान को शुरू किया। छीने गए हथियारों की बरामदगी के लिए संयुक्त रणनीति के हिस्से के रूप में, ये ऑपरेशन शांति बहाल करने के लिए महत्वपूर्ण है।हिंसाग्रस्त मणिपुर को दहलाने की कोशिश को भारतीय सेना और सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। सेना, असम राइफल्स और सीएपीएफ ने एक साथ शनिवार को पूरे मणिपुर के पहाड़ी और घाटी क्षेत्र में एरिया डोमिनेशन ऑपरेशन शुरू किया। इस दौरान सेना ने भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किया। जानकारी के मुताबिक, अभियान को और तेज किया जाएगा, ताकि लूटे गए हथियार और छिपाए गए हथियारों और गोला बारूद की बरामदगी हो सके। गृहमंत्री के चार दिनों की दौरे के बाद इसे शांति बहाली की दिशा में उठाए कदम के रूप में देखा जा रहा है।

कांग्रेस ने उठाए ट्रेन हादसे को लेकर कई सवाल, कही सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात

नईदिल्ली। ओडिशा के बालासोर जिले में हुए भीषण रेल हादसे पर दुख जताते हुए शनिवार को कहा कि यह दुर्घटना इस बात को सोचने के लिए बाध्य करती है कि रेलवे में सुरक्षा हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। पार्टी ने स्थिति का जायजा लेने के लिए अपने 2 वरिष्ठ नेताओं-अधीर रंजन चौधरी और ए. चेल्ला कुमार को घटनास्थल पर भेजा है।कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने ट्वीट किया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगेजी ने लोकसभा में पार्टी के नेता अधीर रंजन चौधरी, पार्टी के ओडिशा प्रभारी ए. चेल्ला कुमार को तत्काल घटनास्थल पर भेजा है। दोनों नेता हालात का जायजा लेंगे और कांग्रेस एवं इसके अग्रिम संगठनों की ओर से किए जा रहे राहत संबंधी प्रयासों की निगरानी करेंगे।

83.5 रुपए सस्ता हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर, नहीं घटे घरेलू एलपीजी के दाम

नईदिल्ली। जून के पहले दिन तेल कंपनियों कमर्शियल गैस सिलेंडर उपभोक्ताओं को राहत देते हुए इसके दाम 83.5 रुपए घटा दिए। हालांकि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम नहीं घटाए गए हैं। ऐसा माना जा रहा था कि इस बार घरेलू रसोई गैस भी सस्ती हो सकत है। इस फैसले से महंगाई से परेशान आम आदमी को काफी निराशा हुई है।दिल्ली में 19 किलो वाला कमर्शियल सिलेंडर 83.5 रुपए सस्ता हो कर 1773 रुपए पर आ गया। कोलकाता में व्यावसायिक गैस सिलेंडर 85 रुपए सस्ता हुआ है। यहां लोगों को एक सिलेंडर के 1875.50 पैसे चुकाने होंगे। मुंबई और चेन्नई में सिलेंडर के दाम क्रमश: 1725 रुपए और 1937 रुपए हो गए। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में 14.2 किलो का घरेलू एलपीजी सिलेंडर 1103 रुपए का है। कोलकाता में इसकी कीमत 1129 रुपए, मुंबई में 1102.5 रुपए और चेन्नई में 1118.5 रुपए हैं।

कांग्रेस नेता को पीएम मोदी पर गर्व

कहा- डेढ़ अरब आबादी वाले देश के पीएम हर जगह सम्मान के हकदार

नई दिल्ली।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका दौरे पर जाने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन 22 जून को प्रधानमंत्री मोदी की मेजबानी करेंगे। प्रधानमंत्री के सम्मान में वहां राजकीय रात्रिभोज भी होगा। इससे पहले कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने उनकी यात्रा के पक्ष में बयान दिया है। पित्रोदा राहुल गांधी के साथ ही अमेरिकी दौरे पर गए हैं।क्या कहा सैम पित्रोदा ने?

सैम पित्रोदा ने कहा, %%उनका स्वागत हो रहा है क्योंकि वे भारत के प्रधानमंत्री हैं। इसलिए नहीं कि वे भाजपा के प्रधानमंत्री हैं। इन दो चीजों को अलग रूप में देखा जाना चाहिए। डेढ़ अरब की आबादी वाले देश के प्रधानमंत्री हर जगह सम्मान के हकदार हैं और मुझे इस पर गर्व है। मैं इसे लेकर नकारात्मक नहीं हूं।

राहुल गांधी के बारे में क्या बोले पित्रोदा?

पित्रोदा ने कहा, वे (गांधी) जानते हैं कि हम (भारत) कहां सही कर रहे हैं, हम सभी इसके पक्ष में हैं। ...और आप देखिए, किसी ने मुझे बताया कि भारतीय प्रधानमंत्री का बहुत स्वागत किया जा रहा है। मैंने कहा कि मैं इसके बारे में खुश हूं क्योंकि तमाम मतभेदों के बावजूद वे मेरे भी प्रधानमंत्री हैं।

क्या यात्रा प्रायोजित है?

इस सवाल पर पित्रोदा ने न्यूज एजेंसी को दिए साक्षात्कार में कहा, 卐एक झूठ यह है कि उनकी (राहुल गांधी की) पूरी यात्रा मुसलमानों की तरफ से प्रायोजित है। यह सब क्या है? चलिए मान लेते हैं कि यह यात्रा प्रायोजित है, तो क्या हुआ, वे भी तो भारत के नागरिक हैं। पहली बात तो यह कि उनका इससे कोई लेना-देना नहीं है। पूरी यात्रा के इंतजाम इंडियन ओवरसीज कांग्रेस ने किए हैं। करीब 17 कार्यक्रम हैं, जिनकी तैयारियां मैंने देखी हैं।

सैम पित्रोदा इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। पित्रोदा ने ही राहुल गांधी के अमेरिका दौरे की पूरी जिम्मेदारी संभाल रखी है। पित्रोदा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर भारतीय लोकतंत्र गलत दिशा में जाएगी तो कीमत पूरी दुनिया चुकाएगी। मुझे लगता है कि लोगों को इस बात को समझना होगा। इसके ये मायने नहीं हैं कि हम लोगों से कह रहे हैं कि आइए और हमारे लोकतंत्र को ठीक कीजिए। नहीं... अपने लोकतंत्र को हम खुद ठीक कर लेंगे, लेकिन बेहतर होगा कि आप सतर्क हो जाएं, क्योंकि इसका असर आप पर भी होगा।

विपक्षी दलों की बैठक से पूर्व मांझी ने बढ़ाई नीतीश की टेंशन

पटना । बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों भाजपा की विरोधी पार्टियों को एकजुट करने में जुटे हैं। इसे लेकर विपक्षी दलों की एक बैठक 12 जून को पटना में होने वाली है। इस बीच, बिहार में सत्तारूढ़ महागठबंधन में शामिल हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा ने लोकसभा चुनाव में पांच सीटों की मांग कर नीतीश कुमार की टेंशन बढ़ा दी।

अब भाजपा इसपर चुटकी ले रही है।वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा के संरक्षक जीतन राम मांझी ने हम के लिए पांच सीटों की खुली मांग कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने दबाव बनाने के लिए यह भी कहा है कि हक तो ज्यादा का बनता है, लेकिन अगर ये भी ना मिला तो फिर वो चल देंगे।ऐसी स्थिति में भले सरकार को कोई परेशानी नहीं हो, लेकिन विपक्षी एकता में जुटे नीतीश कुमार के लिए यह झटका जरूर माना जा सकता है।मांझी ने हालांकि नीतीश के विपक्षी दलों की एकजुटता को लेकर की जा रही कवायद की भी प्रशंसा की।इधर, मांझी के इस बयान पर महागठबंधन के नेता मुंह नही खोल रहे , लेकिन भाजपा के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि मांझी की मांग सही है और महागठबंधन को उनकी मांग को मान लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि मांझी की वाजिब है।उल्लेखनीय है कि मांझी अप्रैल में दिल्ली जाकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की थी।

महीने भर चलेगा भाजपा का महाजनसंपर्क अभियान: शशि पवार

■ ओम माथुर सहित प्रदेश के अनेक बड़े नेता होंगे कार्यक्रमों मे शामिल - कविन्द्र जैन

धमतरी। देश के प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी के 9 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा देश भर मे 30 मई से लेकर 30 जून तक महा जनसंपर्क अभियान के तहत अनेक सम्मेलन, प्रवास एवं सम्पर्क के कार्यक्रम कर पार्टी के पक्ष मे वातावरण बनाने का कार्य करेगी । यह कार्यक्रम लोकसभा स्तर से संचालित किये जा रहे हैं । धमतरी जिले के कुरुद एवं धमतरी विधानसभा के कार्यक्रम महासमुंद लोकसभा के अंतर्गत संपन्न होंगे । इस अभियान के महासमुंद लोकसभा के प्रभारी पूर्व मंत्री एवं कुरुद विधायक अजय चंद्राकर एवं सह प्रभारी पूर्व सांसद चंदुलाल साहू को बनाया गया है । प्रभारी श्री चंद्राकर इस अभियान को लेकर अनेक बैठकें महासमुंद, धमतरी सहित लोकसभा क्षेत्र के अलग अलग स्थानो पर कर चुके हैं।

इसी कड़ी मे धमतरी विधानसभा की बैठक शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय मे हुई । बैठक मे लोकसभा एवं विधानसभा स्तरीय कार्यक्रमों की संपूर्ण रूपरेखा बनाई गयी तथा प्रत्येक कार्यक्रमों के लिए कार्य विभाजन किया गया । जिलाध्यक्ष ठाकुर शशि पवार ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत महीने भर मे दर्जनों कार्यक्रम किये जायेंगे । जिनमे प्रमुख रूप से धमतरी मे किये जाने वाले कार्यक्रमों मे दिनांक 6 जून को धमतरी के विंध्यवासिनी वार्ड स्थित सोनकर समाज भवन मे संयुक्त मोर्चा सम्मेलन आयोजित किया जायेगा जिसमे विधानसभा मे निवासरत भाजपा के सभी 7 मोर्चा के राष्ट्रीय, प्रदेश, जिला एवं मंडल स्तर तक के पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल होंगे।

इस कार्यक्रम के प्रभारी पूर्व विधायक इंदर चोपड़ा होंगे । इसी प्रकार 9 जून को सामुदायिक भवन आमदी मे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ परिचर्चा का महत्वपूर्ण कार्यक्रम रखा गया है जिसमे विधानसभा के सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को न्यौता भेजा जा रहा है। इस कार्यक्रम के प्रभारी जिला कोषाध्यक्ष चेतन हिंदुजा होंगे।

दिनांक 11 जून को लोकसभा स्तर का व्यापारी सम्मेलन जैन स्थानक भवन मे रखा गया है जिसके लोकसभा प्रभारी नेता प्रतिपक्ष नरेन्द्र रोहरा एवं विधानसभा प्रभारी अमित अग्रवाल होंगे । इस कार्यक्रम मे महासमुंद लोकसभा के सभी 8 विधानसभा से व्यापारी बंधु शामिल होंगे । इसी तरह दिनांक 12 जून को विधानसभा स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन पुरानी कृषि उपज मंडी धमतरी मे आयोजित है । इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे भाजपा के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी ओम प्रकाश माथुर सहित प्रदेश के अन्य बड़े नेता शामिल होंगे। इसके प्रभारी रामु रोहरा होंगे।

श्री माथुर 12 जून को ही महासमुंद मे विशाल आमसभा को संबोधित करेंगे जिसमे धमतरी जिले के सैकड़ों कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे। इसके लिए विधानसभा प्रभारी अरविंदर मुंडी होंगे। इन सम्मेलनों के अलावा लोकसभा स्तरीय प्रबुद्ध जन सम्मेलन 19 जून को राजिम मे होगा। इसमें भी धमतरी के कार्यकर्ता शामिल होंगे। जिसकी लोकसभा प्रभारी श्रीमती अर्चना चौबे एवं विधानसभा प्रभारी रोहिताश मिश्रा होंगे। 21 जून को योगदिवस का कार्यक्रम विधानसभा स्तर पर होगा जिसके प्रभारी कोमल सार्वा होंगे। सम्पर्क से समर्थन कार्यक्रम 10 जून से 20 जून तक चलेगा जिसमे विधानसभा के 250 से अधिक विशिष्ट जनों से सम्पर्क कर उनका समर्थन जुटाने भाजपा के नेतागण जायेंगे । इस कार्यक्रम की विधानसभा प्रभारी विथिका विश्वास होंगी। 30 मई से 30 जून तक विकास तीर्थ कार्यक्रम के तहत केंद्र सरकार के विकास कार्यों जैसे बाई पास, फोर लेन, ब्रॉड गेज, ऑक्सीजन प्लांट, डायिलिसिस यूनिट, जल शोधन संयंत्र, केंद्रीय विद्यालय, राशन दुकान मे मुफ्त राशन वितरण, सोसाइटियों मे खाद सब्सिडी इत्यादि बड़े विकास के कार्यस्थलों मे जाने का कार्यक्रम होगा जिसके प्रभारी महेंद्र पंडित होंगे ।

23 जून स्व श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि बलिदान दिवस पर मोदी देश के लाखों कार्यकर्ताओं के साथ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधे जुड़ेंगे । इसके प्रभारी विनय जैन होंगे। 20 जून से 30 जून तक घर घर सम्पर्क अभियान के तहत पार्टी के सभी प्रमुख नेता गाँव गाँव और घर घर संपर्क अभियान चलाएंगे । इस कार्यक्रम के लोकसभा प्रभारी विधायक श्रीमती रंजना साहू एवं जिलाध्यक्ष शशि पवार होंगे तथा विधानसभा प्रभारी कविन्द्र जैन होंगे ।

बैठक मे विधायक श्रीमती रंजना साहू ने सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों सहित मंडल अध्यक्ष महामंत्रियों को इस पुरे अभियान के लिए परिश्रम की पराकाष्ठा करने की अवश्यकता बताई।

उन्होंने बताया कि इस अभियान के माध्यम से पार्टी के नेता और कार्यकर्ता हर गाँव, हर वर्ग तक पहुंचेंगे । इस अभियान के जिला संयोजक कविन्द्र जैन ने बताया कि लोकसभा प्रभारी अजय चंद्राकर के दिशा निर्देश पर संपूर्ण कार्यक्रम की रूप रेखा बना ली गयी है ।

12 जून को पुरानी मंडी मे बड़ा सम्मेलन होगा जिसमे प्रदेश प्रभारी ओम माथुर का मार्गदर्शन प्राप्त होगा इसके अतिरिक्त प्रदेश अध्यक्ष सहित अनेक बड़े नेताओं का आगमन विभिन्न कार्यक्रमों मे होगा । उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या मे समस्त कार्यक्रमों मे सहभागिता देकर पार्टी के पक्ष मे वातावरण बनाने मे अपना महत्वपूर्ण योगदान दें ।

वाहनों की तलाशी में वारंटी नक्सली आरपीसी सदस्य गिरफ्तार

बीजापुर। चेरपाल में स्थित सीआरपीएफ 85 बटालियन की इको कम्पनी द्वारा चेरपाल स्थित पीएचसी के सामने बीजापुर गंगालूर मार्ग पर आने जाने वाले वाहनों की तलाशी के दौरान शनिवार को एक नक्सली आरपीसी सदस्य मुन्ना पुजारी पिता कन्ना पुजारी निवासी चोखापाल को गिरफ्तार किया है।

सीआरपीएफ 85 बटालियन से मिली जानकारी के अनुसार सूचना के आधार पर सुनील कुमार सहायक कमांडेट के नेतृत्व में जवानों की एक टुकड़ी पीएचसी चेरपाल के नजदीक आने जाने वाहनों की निगरानी व तलाशी के लिए नाका लगाया गया। इसी दौरान गंगालूर से आने वाली पिकप वाहन सीजी-20-जे 7332 जिसमे 30-40 ग्रामीण सवार थे, कि जांच की गई। वाहन में सवार सभी ग्रामीणों की उनके पास मौजूद परिचय पत्र के अनुसार सघन जांच करने पर मुन्ना पुजारी पिता कन्ना पुजारी निवासी चोखापाल, थाना गंगालूर को गिरफ्तार किया गया और थाना गंगालूर से सत्यापन कराया गया, सत्यापन के अनुसार वह कमकानार-चोखापाल- मैरिवाड़ा आरपीसी का सक्रिय नक्सली सदस्य के रूप में उसकी पहचान हुई। गिरफ्तार मुन्ना पुजारी के विरुद्ध थाना गंगालूर में एक वारंट भी लंबित पाया गया।

3 नक्सली जनमिलिशिया सदस्यों ने किया आत्मसमर्पण

सुकमा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन पूना नर्कोम अभियान (नई सुबह, नई शुरुआत) के तहत प्रतिबंधित नक्सली संगठन में सक्रिय 3 नक्सली सदस्यों परस्की हिड़मा, पोडियाम सोमा तथा वेट्टी सुक्का (जनमिलिशिया सदस्य) ने शनिवार को नक्सल ऑपरेशन कार्यालय सुकमा में सूर्यकान्त सिंह द्वितीय कमान अधिकारी 219 वाहिनी सीआरपीएफ, गौरव मण्डल अति. पुलिस अधीक्षक सुकमा एवं उत्तम प्रताप सिंह उप पुलिस अधीक्षक बस्तर फाइटर सुकमा के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। उक्त आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज्य शासन के पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय किया जायेगा।

SUKMA
FIGHT FOR GLORY
SPECIAL TASK FORCE
CHHATTISGARH POLICE

जल आपूर्ति की मांग को लेकर माकपा ने किया चक्काजाम

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)
C.P.I.(M)
पानी दो CPM
CPM

कोरबा। एसईसीएल प्रबंधन की लापरवाही का खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है। सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर का पालन करने से अधिकारी कतराने लगे हैं। इससे खदान प्रभावित ग्रामीणों को पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है। खदान के लिए जमीन देने वाले ग्रामीण अब अपने आपको ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। पेयजल नहीं मिलने से नाराज ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। तीन बार वार्ता करने पहुंचे अधिकारी ठोस निर्णय नहीं ले सके, तो उन्हें आंदोलनकारियों ने उल्टे पांव लौटा दिया।

बांकीमोंगरा क्षेत्र के खनन प्रभावित गांव बांकी बस्ती, मड़वाढोढा, पुरैना में एसईसीएल द्वारा जल आपूर्ति की जाती रही है, पर खदान बंद होने के बाद पेयजल की आपूर्ति बंद कर दी गई। इससे ग्रामीणों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। शिकायत के बाद भी एसईसीएल कोरबा क्षेत्र व मुख्यालय के अधिकारी चुप्पी साधे बैठे हुए हैं। गर्मी में पेयजल नहीं मिलने से ग्रामीणों को अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। शिकायत के बाद भी पहल नहीं किए जाने पर सैकड़ों ग्रामीणों ने मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की पार्षद राजकुमारी कंवर की अगुवाई में बांकी बस्ती के पास चक्काजाम कर दिया। इससे मार्ग में दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गई। एसईसीएल प्रबंधन को मजबूर होकर आंदोलनकारी माकपा, किसान सभा के नेताओं और ग्रामीणों से बातचीत करने के लिए सड़क पर आना पड़ा। तीन दौर की ग्रामीणों से साथ वार्ता हुई, पर अधिकारियों की हठधर्मिता की वजह से वार्ता फैल हो गई। नाराज ग्रामीणों ने अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए वापस लौटा दिया। इस दौरान कटघोरा के नायब तहसीलदार और बड़ी संख्या में पुलिस बल उपस्थिति रही।

यहां बताना होगा कि कोयला खनन के कारण प्रभावित गांवों में जल स्तर काफी नीचे गिर चुका है और अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत एसईसीएल ही पीने, निस्तारी और सिंचाई के लिए पानी का प्रबंध कराते आया है। खदान बंद होने के बाद एसईसीएल के अधिकारियों ने बांकी बस्ती,पुरैना, मड़वाढोढा में जल आपूर्ति रोक दी। इससे ग्रामीणों का न केवल दैनिक दिनचर्या गड़बड़ा गई है, बल्कि खेती-किसानी पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इस दौरान किसान सभा के दीपक साहू, जय कौशिक, दामोदर, शिवरतन, अजीत, जगदीश, इंद्र दीप, श्रवण, दास, दामोदर, महेंद्र, विनोद, इंद्र कुंवर, लक्ष्मीन बाई, जोतसना, सुक्रिता, सुजाता, राधा समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

माकपा नेता प्रशांत झा ने आरोप लगाया कि बांकी खदान से कमाई बंद होते ही अब एसईसीएल के अधिकारी अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों को पूरा करने से मुकर रहे है। किसानों की आजीविका सुनिश्चित कराना, उनकी जिम्मेदारी है और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं पर ग्रामीणों का अधिकार है। लिखित आश्वासन देने के बाद भी अधिकारी अपने वायदे को पूरा नहीं करतें है, इसलिए अब आश्वासन नहीं चलेगा। जब तक पानी नहीं मिलेगा, तब तक चक्काजाम जारी रहेगा। किसान सभा के जिलाध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर ने कहा कि तीनों गांव को पानी दो, नहीं तो कोल परिवहन नहीं होने देंगे।

भाजयुमो व महिला मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में कांग्रेस सरकार के विरोध में प्रदर्शन

एसडीएम कार्यालय घेराव, शराब दुकान में पोस्टर वार

मनेंदगढ,। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन के आह्वान पर बुधवार 31 मई को एम सी बी जिले के भाजपा युवा मोर्चा व महिला मोर्चा ने संयुक्त रूप से प्रदेश में काबिज कांग्रेस सरकार के विरोध में उग्र प्रदर्शन किया।

लगभग 3.30बजे से ही भाजपा युवा मोर्चा व महिला मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पी डबल्यू डी तिराहा के सामने लगभग घंटो चक्काजम कर भूपेश बघेल के भ्रष्टाचारी नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की।भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि छग सरकार ने शराब बिक्री में 2000 करोड़ रुपए का घोटाला कर बेशर्मी की हद पार कर दी है,

कांग्रेस ने सत्ता पाने के लिए गंगाजल की झूठी कसम खाई थी कि सरकार में आते ही शराबबंद करेंगे लेकिन अब कांग्रेसी शराब को भ्रष्टाचार और कमाई का जरिया बना लिए हैं। वहीं पीएससी भर्ती में भी गड़बड़ी कर कांग्रेस ने अपनी झोली भरने का काम किया है।

चक्काजाम के बाद भाजयुमो व महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग में स्थित शराब दुकान में जाकर पोस्टर चस्पा किया।तत्पश्चात् कांग्रेस पार्टी और भूपेश सरकार सहित दोनों कांग्रेसी विधायकों के विरोध में नारे लगाते लगाते एसडीएम कार्यालय पहुंचकर घेराव करते हुए ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान छग शासन के पूर्व संसदीय सचिव एवं मौजूदा प्रदेश महामंत्री भाजपा महिला मोर्चा चम्पादेवी पावले, पूर्व विधायक श्याम बिहारी जायसवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा लखन श्रीवास्तव, भाजयुमो जिला अध्यक्ष सुशील सिंह,महामंत्री हिमांशु श्रीवास्तव/धीरज मौर्य, युवा मोर्चा प्रदेश कार्य समिति अरविन्द अग्रवाल, अंकित शर्मा कोमल पटेल, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रतिमा पटवा, महामंत्री कविता दिवान, सुनिता सिंह जिला उपाध्यक्षगण, मंत्री गण सहित सभी मंडल अध्यक्ष दिलीप सेन, मनीष खटिक, राहुल जायसवाल, राजू चेरवा आदित्य अग्रवाल, धर्मेन्द्र पटवा, विवेक कुमार, निखिल साहू आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़
प्रमुख समाचार

दुगली क्षेत्र के किसानों का खातों में धान बोनस नहीं आया

नगरी। धान का बोनस नहीं आया खाते में किसान परेशान राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2022 23 की समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का बोनस की राशि प्रथम किस्त 21 मई को जारी की गई। लेकिन दुगली क्षेत्र के सैकड़ों किसानों के खातों में अब तक राशि नहीं पहुंची है। कोलियारी के किसान रामलाल तुमरेटी, रोहित कोमरे ने बताया कि खरीफ समर्थन मूल्य पर धान सहकारी समिति में बेचा है इसका बोनस के रूप में 21 मई को शासन द्वारा ऑनलाइन किसानों के खातों में राशि डाला गया है लेकिन स्थानीय सहकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक छत्तीसगढ़ ग्रामीण बैंक में किसानों के खातों में अभी तक बोनस की राशि नहीं पहुंची है। जिससे किसानों में परेशानी व आक्रोश देखा गया है। किसानों द्वारा बैंक में संपर्क करने पर संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने से किसान मायूस एवं आक्रोशित हैं। किसानों के प्रतिनिधि रामलाल तुमरेटी, मयाराम नागवंशी, महेन्द्र नेताम ने छूटे किसानों के खाते में शीघ्र ही बोनस राशि डालने की मांग की है।

हाथियों के आतंक से परेशान किसान खेतों में लगा रहे आग

कोरबा। कोरबा के वनांचल क्षेत्रों में हाथियों का आतंक किस कदर बढ़ गया है। इस बात का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि गजराजों को खदेड़ने किसानों को अब अपने खेतों को आग के हवाले करना पड़ रहा है। कटघोरा वनमंडल में केंदई रेंज के पचरा गांव में रहने वाले ग्रामीणों ने अपने खेत में मौजूद पराली में आग लगा दी। ताकी हाथी उनके घरों तक न पहुंच पाए। इस इलाके में करीब 30 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। कोरबा में हाथियों का आतंक लगातार बढ़ता ही जा रहा है। गजराजों के उत्पात पर लगाम लगा पाने में कोरबा का वन अमला पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहा है। यही वजह है कि ग्रामीणों को तरह तरह के जतन कर हाथियों को खदेड़ना पड़ रहा है। कटघोरा वनमंडल के केंदई रेंज में इन दिनों 30 हाथियों का दल विचरण कर रहा है। जिनके द्वारा कभी लोगों के घरों को तोड़ दिया जाता है तो कभी फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। हाथियों के उत्पात से परेशान हो चुके ग्रामीणों ने अनोखा रास्ता अपनाया।

हरा सोना से लदा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा

जगदलपुर। शहर के गुरुनानक चौक पर शनिवार की सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक जिसमें हरा सोना लदा था। वह अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में ट्रक चालक को मामूली चोट आई है। लेकिन एक बड़ी घटना होने से बच गई। घटना की जानकारी लगते ही यातायात पुलिस के साथ ही बोधघाट थाना प्रभारी भी मौके पर आ पहुंचे। वहीं मजदूर लगाने के साथ ही ट्रक में लदे तेदुपत्ता को निकालने का काम शुरू कर दिया गया। मामले के बारे में बोधघाट थाना प्रभारी दिलबाग सिंह ने बताया कि बीजापुर से तेदुपत्ता से भरा ट्रक नादगांव के लिए रवाना हुआ था। जिसके बाद जैसे ही ट्रक जगदलपुर के गुरुनानक द्वार के पास मोड़ पर पहुंचा। ट्रक चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया। जिसके बाद ट्रक सड़क किनारे पलटी गया। घटना जिस जगह हुई है। वहां रोजाना आटो चालकों के साथ ही मजदूर बैठकर काम की तलाश करते हैं। सुबह हुए हादसे के चलते एक बड़ी घटना होने से टल गई। इसके अलावा वहीं एक ट्रांसफार्मर भी लगा हुआ है, जिसके चपेट में आने से ट्रक बच गया नहीं तो एक बड़ा हादसा हो सकता था।

नहर गेट की चॉबी प्रशासन को सौंपी, खुला गेट

बलौदाबाजार। सीमेंट संयंत्र द्वारा ग्राम भरूवाडीह में नव निर्मित कालोनी के पीछे गुजरने वाली नहर को लोहे का गेट लगाकर बंद कर दिया था। जिसे आज गेट को खोलकर उसकी चॉबी जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को सौंपी है। जिससे अब ग्रामीण आसानी से आवाजाही कर सकते है। गौरतलब है कि श्री सीमेंट संयंत्र का रिहायसी कालोनी का निर्माण ग्राम भरूवाडीह में किया गया है। इस कालोनी के पीछे से बलौदाबाजार शाखा नहर से निकली हुई 9 नम्बर की सहायक नहर है। संयंत्र प्रबंधक द्वारा करीब 3-4 माह पूर्व नहर के दोनों सिरों पर गेट लगाकर बंद कर दिया गया था। उक्त नहर का उपयोग कृषक एवं ग्रामीण अपने ग्राम ठेलकी, पुरान स्थित खेतों में आवागमन हेतु करते है। वही मवेशियों को भी इसी तरह से ग्राम भरूवाडीह स्थित तालाब में पानी पीने के लिए लेकर जाते है। वर्तमान में गेट लगा दिए जाने के वजह से ग्रामीणों एवं मवेशियों को खेतों में घूमकर जाना पड़ता था।

सात समुंदर पार पहुंचा पानी की बर्बादी का मामला

कांकेर। पखांजूर के सबसे बड़े खेरकट्टा परलकोट जलाशय के ओवरफ्लो पानी टैंक में फूड इंस्पेक्टर का एक महंगा फोन गिर गया था। पानी में गिरे फोन को निकालने के लिए 3 दिनों तक पंप लगाकर पानी को खाली किया गया, जिसके बाद फोन को निकाला गया। ये पूरा मामला पूरे राज्य में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब ये मामला ना केवल प्रदेश तक बल्कि देश-विदेश में सुर्खियां बटोर रहा है। दरअसल, एक विदेशी नागरिक का इस मामले को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है। जिसमें एक महिला इस मामले के बारे में बता रही है। इस वीडियो में महिला ने फूड इंस्पेक्टर राजेश विश्वास द्वारा किस तरह फोन को जलाशय से निकालने के लिए उसे खाली करवा दिया गया, इसके बारे में बताया है। ये वीडिया खूब वायरल हो रहा है। वीडियो को अब तक 334क्य लाइक्स मिल चुके हैं। वीडियो को अब तक करीब साढ़े तीन हजार से ज्यादा दफे शेयर किया गया है। वहीं 5 हजार से ज्यादा कमेंट्स आए हैं।

मुख्यमंत्री ने जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रकिया को किया शिथिल

■ लोगों को मिल रहा लाभ, 10 साल बाद गोपाल व उसके बच्चों का बना जाति प्रमाण पत्र

धमतरी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेशवासियों की समस्याओं पर हमेशा से ही संवेदनशीलतापूर्वक विचार कर उनके लिए नियम-कानूनों को शिथिल करते रहे है। प्रदेश के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग सहित जरूरतमंद लोगों को अपने जाति प्रमाण पत्र बनवाने में दिक्कत आती थी, क्योंकि जाति प्रमाण पत्र बनावाने के लिए आवेदक के पास पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड, राशनकार्ड, मार्कशीट, दाखिल खरिज 1984 से पहले का, पटवारी प्रतिवेदन फार्म आय प्रमाण पत्र और मिसल बंदोबस्त की जरूरत पड़ती थी। वहीं मुख्यमंत्री के भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान भी जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को और अधिक सरलीकृत करने की लगातार मांग जनता से आती थी। इन्ही जटिल प्रक्रियाओं और आम जनता की परेशानियों को दृष्टिगत करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने जाति प्रमाण पत्र बनाने नियमों को शिथिल किया है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग सहित जरूरतमंद लोगों को जाति प्रमाण पत्र के लिए आवश्यक मिसल न होने पर भी ग्राम सभा से पारित प्रस्ताव और अनुमोदन के आधार पर जाति प्रमाण पत्र बनाए जा सकते है।

धमतरी शहर के रिसाईपारा पश्चिम में रहने वाले श्री गोपाल महार बताते हैं, कि उनके द्वारा बीते 10 वर्षो से जाति प्रमाण पत्र बनाने का प्रयास किया जा रहा था, लेकिन मिसल नहीं होने के कारण नहीं बन पा रहा था। ज्ञात हो कि पूर्व में जाति प्रमाण पत्र बनाने हेतु मिसल की आवश्यकता होती थी, मिसल नहीं होने के कारण गोपाल का जाति प्रमाण पत्र नहीं बन सकता, जिसके कारण उसने कभी भी आरक्षित वर्ग से सरकारी नौकरी के लिए आवेदन नहीं कर पाते थे। मुख्यमंत्री द्वारा जाति प्रमाण पत्र के लिए दी गयी रियायत से अब गोपाल और उसके बच्चों का जाति प्रमाण पत्र आसानी से बन जायेगा, जिससे गोपाल के बच्चे अब आरक्षित वर्ग से शासकीय सेवा हेतु आवेदन कर सकेंगे। वहीं शासन द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति व अन्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। आज गोपाल और उसका परिवार जाति प्रमाण पत्र बनाने की प्रक्रिया को शिथिल करने पर मुख्यमंत्री का आभार प्रकट कर कहा कि 'भूपेश है तो भरोसा है, सब संभव है।

भाजपा जिला सह प्रभारी ने ली शक्तिकेंद्र मे बैठक

कोरबा। भारतीय जनता पार्टी संगठन के निर्देश पर कोसा बाड़ी मंडल के प्रवास पर पहुंचे जिला सह प्रभारी श्री गोपाल साहू ने शक्ति केंद्र स्तर पर बैठक ली कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ने व केंद्र सरकार व भारतीय जनता पार्टी की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने के साथ कोरबा के विधायक व छत्तीसगढ़ सरकार की नाकामियों को जन जन तक पहुंचाने के साथ संगठन को मजबूत करने हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया।

इस अवसर पर जिला सह प्रभारी गोपाल साहू के साथ जिला उपाध्यक्ष आलोक सिंह कोसाबाड़ी मंडल प्रभारी राजेंद्र राजपूत एसह प्रभारी नवदीप नंदा, मंडल अध्यक्ष अजय विश्वकर्मा, महामंत्री सुमन सोनी, कोषाध्यक्ष चंदन सिंह, मंत्री रमा मिरी, मीडिया प्रभारी रितेश कुमार साहू के साथ शक्ति केंद्र संयोजक रामकिशोर यादव, सहसंयोजक सतीश केसरवानी, शक्तिकेंद्र संयोजक अश्वनी चौबे, परिवहन नगर पार्षद रितु चौरसिया,परिवहन नगर प्रभारी ज्योति वर्मा, शक्ति केंद्र ढोढी पारा संयोजक गिरधारी रजक सहसंयोजक जनक राम साहू एमंडल उपाध्यक्ष हरण राठौर, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ लक्ष्मण श्रीवास, पूर्व महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष हार बाई बूथ पालक सरिता कौशिक, संजय मानिकपुरी, गणेश भवसागर, बूथ अध्यक्ष बिहारी लाल रजक सिकेंद्र मशीह, सुनील चौहान,अशोक लाल, चंद्रहास यादव, गंगापुरी,विनोद सिन्हा, नितेश जाट, अमरनाथ पटेल, उदय श्रीवास्तव, चंद्रकांत साहू के साथ बड़ी संख्या में बूथ स्तर के कार्यकर्ता उपस्थित रहे । जिला प्रभारी ने सर्वप्रथम बैठक पंप हाउस में उसके पश्चात टीपी नगर में,उसके पश्चात ढोढी पारा में बैठक लेकर कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन दिया।

अरुण साव का आज होगा ग्राम रेकी में आगमन

कोरबा जिले में पटेल समाज के द्वारा ग्राम रेकी में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। बताया जा रहा हैं की इस कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरूण साव भी शामिल होंगे। पटेल समाज ने लोगों को कार्यक्रम में आमंत्रित किया है। अरूण साव का स्वागत भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ.राजीव सिंह, विकास महतो, जोगेश लांबा, अशोक चावलानी, वैशाली रत्नपारखी, चुलेश्वर राठौर, नरेश टंडन, हरीश थलवानी, सूर्यप्रकाश शर्मा के द्वारा किया जाएगा।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

चुनावी गारंटी के कार्यान्वयन में स्पष्टता का अभाव : भाजपा

मंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कर्नाटक इकाई ने राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस से प्रदेश की वित्तीय स्थिति पर श्वेत पत्र लाने और पार्टी द्वारा विधानसभा चुनाव के दौरान किए गए पांच वादों को लागू करने के लिए राजस्व के स्रोत के बारे में बताने को कहा। मंगलुरु में संवाददाताओं से मुखातिब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और दक्षिण कन्नड़ क्षेत्र के सांसद नलिन कुमार कटील ने कहा कि चुनावी गारंटी के कार्यान्वयन से जुड़ी कांग्रेस सरकार की योजना में स्पष्टता का अभाव है। उन्होंने कहा कि चुनावी गारंटी के कार्यान्वयन से जुड़ी योजना का विवरण लोगों के सामने स्पष्ट किया जाना चाहिए। गरीबी रेखा के नीचे (बीपीएल) के परिवारों को 10 किलोग्राम चावल मुफ्त देने की राज्य सरकार की योजना के बारे में कटील ने यह जानना चाहा कि 10 किलो चावल केंद्र द्वारा पहले से दिए जा रहे पांच किलोग्राम चावल के अतिरिक्त मिलेगा या नहीं।

गांधी परिवार और खड़गे की मान रख फैसला किया : डीके

कनकपुरा (कर्नाटक)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि गांधी परिवार और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सलाह के बाद वह मुख्यमंत्री बनने की दौड़ से पीछे हट गए और 'धैर्य' रखने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री बनने के बाद अपने निर्वाचन क्षेत्र के दौरे पर गए शिवकुमार ने मतदाताओं से कहा कि उनकी इच्छा (उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखने की) कभी झूठी नहीं होगी और उन्होंने मतदाताओं से धैर्य के साथ प्रतीक्षा करने को कहा। शिवकुमार ने कहा, 'आपने मुझे मुख्यमंत्री बनाने के लिए बड़ी संख्या में मत दिए, लेकिन क्या करें, एक निर्णय हुआ। राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने मुझे एक सलाह दी। मुझे बड़ों की बात का मान रखना ही था- मुझे धैर्य बनाए रखना होगा।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं आपको सिर्फ इतना बताना चाहता हूं कि आपकी इच्छा (मुझे मुख्यमंत्री के रूप में देखने की) कभी झूठी नहीं होगी। धैर्य बनाए रखें।'

बृजभूषण शरण सिंह को लेकर कपिल सिब्बल का केंद्र पर तंज

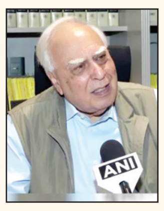

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) भारतीय कुश्ती संघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर चुप हैं, जिससे मामले की जांच करने वालों के लिए संदेश स्पष्ट है। सिब्बल सुप्रीम कोर्ट में प्रदर्शनकारी पहलवानों की पैरवी कर रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, बढ़ते सबूतों, सार्वजनिक आक्रोश के बावजूद बृजभूषण सिंह को अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री चुप, गृह मंत्री चुप, भाजपा चुप, आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) चुप। जांच करने वालों के लिए संदेश स्पष्ट है। सिब्बल ने सरकार के नारे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास पर तंज कसते हुए कहा, सबका साथ नहीं, बृजभूषण का साथ।

सिसोदिया को बीमार पत्नी से मिलने की मिली इजाजत

नईदिल्ली। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया हाई कोर्ट से अंतरिम राहत मिलने के बाद अपनी बीमार पत्नी से मिलने के लिए शनिवार को तिहाड़ जेल से अपने आवास पहुंचे। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को दिल्ली आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया को उनकी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दे दी थी। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने तिहाड़ जेल अधीक्षक को सिसोदिया को उनके आवास पर ले जाने का निर्देश दिया था, जहां उन्हें सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक अपनी पत्नी से मिलने की अनुमति दी गई है। जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सिसोदिया को सुरक्षा घेरे में सुबह करीब नौ बजे उनके आवास पर ले जाया गया। उन्हें शाम पांच बजे वापस जेल आना होगा। सिसोदिया को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने 26 फरवरी को आबकारी घोटाले में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया था और वह तब से हिरासत में हैं।

11 जून की रैली में पायलट कर सकते हैं कुछ बड़ी घोषणा!

जयपुर। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के कार्यकाल की जांच पर जोर देने से उनकी भविष्य की योजनाओं के बारे में चर्चा शुरू हो गई है। सूत्रों ने कहा कि जहां पायलट अपनी मांगों पर कांग्रेस नेतृत्व के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, वहीं उन्हें राजस्थान कांग्रेस से बाहर करने की खींचतान एक और कारण है जिसने इस सप्ताह की शुरुआत में आयोजित शांति वार्ता को तोड़ते हुए गुटबाजी को तेज कर दिया है। ताज़ा हंगामे के बीच, 11 जून कर कार्यक्रम पर सबकी नजर रहेगी। जहां पायलट ने अपने दिवंगत पिता राजेश पायलट की पुण्यतिथि को चिह्नित करने के लिए एक बड़ी रैली निर्धारित की है। इसे उनकी भविष्य की योजनाओं जैसे स्वतंत्र होने या एक नया आंदोलन शुरू करने की घोषणा करने के लिए नियोजित मंच कहा जा रहा है। पायलट समर्थक राहुल से आखिरी मिनट के हस्तक्षेप पर अपनी उम्मीदें लगा रहे हैं।

मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा पर राष्ट्रपति जो बाइडन मेजबानी करेंगे

प्रधानमंत्री 22 जून को अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अमेरिका की आधिकारिक यात्रा के दौरान 22 जून को अमेरिकी संसद के एक संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे और भारत के भविष्य के बारे में अपनी दृष्टि साझा करेंगे तथा दोनों देशों द्वारा सामना की जा रही वैश्विक चुनौतियों पर बोलेंगे। प्रतिनिधि सभा और सीनेट के शीर्ष नेताओं ने शुक्रवार को यह घोषणा की। राष्ट्रपति जो बाइडन, प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका की राजकीय यात्रा पर उनकी मेजबानी करेंगे, जिसमें 22 जून को एक राजकीय रात्रिभोज भी शामिल है।

अमेरिकी संसद के शीर्ष नेताओं ने एक बयान में कहा, ''अमेरिकी प्रतिनिधि सभा और सीनेट के नेतृत्व की ओर से आपको (प्रधानमंत्री मोदी को) 22 जून को कांग्रेस(संसद) की एक संयुक्त बैठक को संबोधित करने के लिए आमंत्रित करना हमारे लिए सम्मान की बात है।'' बयान पर प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष मैककार्थी, सीनेट में बहुमत के नेता चक स्कमर, सीनेट के रिपब्लिकन नेता मिच मैककॉनवेल और प्रतिनिधि सभा के डेमोक्रेटिक नेता हकीम जेफरीज ने हस्ताक्षर किये हैं। यह दूसरा मौका होगा, जब मोदी अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करेंगे।उन्होंने जून 2016 में अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी कांग्रेस को संबोधित किया था। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति नेल्सन मंडेला, विश्व के उन कुछ नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें दो बार अमेरिकी संसद को संबोधित करने का सम्मान प्राप्त हुआ है।

बयान में कहा गया है, ''हमारे साझा मूल्यों और वैश्विक शांति एवं समृद्धि के प्रति दोनों देशों के बीच प्रतिबद्धता का बढ़ना जारी है।

आपके संबोधन के दौरान, आपको भारत के भविष्य के बारे में अपनी दृष्टि साझा करने और दोनों देशों द्वारा सामना की जा रही वैश्विक चुनौतियों पर बोलने का अवसर मिलेगा।'' मोदी ने 2016 में (अमेरिकी संसद में) अपने संबोधन के दौरान जलवायु परिवर्तन से लेकर आतंकवाद तक, और भारत एवं अमेरिका के बीच रक्षा व सुरक्षा सहयोग से लेकर व्यापार और आर्थिक साझेदारी तक पर बोला था। मोदी सात साल पहले, अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने वाले देश के पांचवें भारतीय प्रधानमंत्री थे। उनसे पहले, तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 19 जुलाई 2005 को, अटल बिहारी वाजपेयी (14 सितंबर 2000), पी वी नरसिम्हा राव (18 मई 1994) और राजीव गांधी ने 13 जुलाई 1985 को संयुक्त सत्र को संबोधित किया था।

बयान में कहा गया है, ''सात साल पहले, संसद के संयुक्त सत्र के आपके ऐतिहासिक संबोधन ने एक दीर्घकालिक प्रभाव छोड़ा और अमेरिका एवं भारत के बीच संबंधों को काफी प्रगाढ़ किया।'' बयान में कहा गया है, ''एक बार फिर, अमेरिका और भारत के बीच चिरस्थायी मित्रता को आगे बढ़ाने के लिए कांग्रेस (अमेरिकी संसद) की संयुक्त बैठक में हमारे साथ आपके शामिल होने से हम सम्मानित महसूस करेंगे। हम दोनों देशों और विश्व के लिए एक उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने के लिए साथ मिल कर काम करने को उत्सुक हैं।'' अमेरिकी संसद को विदेशी नेताओं और गणमान्य लोगों द्वारा संबोधित करने की परंपरा मारकिस दे लफायत के साथ शुरू हुई थी। वह एक फ्रांसीसी सैन्य अधिकारी थे, जिन्होंने अमेरिकी क्रांति के दौरान ब्रिटेन के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने 10 दिसंबर 1884 को 'हाउस ऑफ चैम्बर' को संबोधित किया था।

वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सैम पित्रोदा ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया सम्मान का हकदार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 21-24 जून तक अमेरिका यात्रा पर होंगे। पीएम मोदी अपनी यात्रा के दौरान अमेरिकी कांग्रेस (संसद) की संयुक्त बैठक को भी संबोधित करने वाले हैं। पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा को लेकर वहां रहने वाले भारतवंशी भी उत्साहित हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन उनके कार्यकाल के दौरान अमेरिका की पहली राजकीय यात्रा के लिए व्हाइट हाउस में पीएम मोदी की मेजबानी करने वाले हैं। इस बीच पीएम मोदी की अमेरिका की ऐतिहासिक यात्रा से पहले कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा का बयान आया है। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पित्रोदा ने अपने बयान में पीएम मोदी की तारीफ की है और इसलिए उनका नाम चर्चा में है। दरअसल पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा को लेकर सैम पित्रोदा ने कहा कि दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाले देश के प्रधानमंत्री हर जगह सम्मान के हकदार हैं और उन्हें इस पर गर्व है। पित्रोदा ने एक साक्षात्कार में कहा- उनका स्वागत हो रहा है क्योंकि वह भारत के प्रधानमंत्री हैं। इसलिए नहीं कि वह भाजपा के प्रधानमंत्री हैं। इन दो चीजों को अलग रूप में देखा जाना चाहिए। 1.5 अरब की आबादी वाले देश का प्रधानमंत्री हर जगह सम्मान का हकदार हैं और मुझे इस पर गर्व है। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने आगे कहा, मैं इसे लेकर नकारात्मक नहीं हूं। राष्ट्रपति जो बाइडन 22 जून को प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका की आधिकारिक राजकीय यात्रा की मेजबानी करेंगे, जिसमें राजकीय रात्रिभोज भी शामिल होगा।

विपक्षी एकता को बड़ा झटका केसीआर ने किया किनारा

भाजपा का तंज- नीतीश के गुब्बारे में चुभी एक और पिन

नईदिल्ली। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अंधी नफरत और उन्हें सत्ता से बेदखल करने का एकमात्र एजेंडा विपक्षी दलों को एकजुट करने का मुद्दा नहीं हो सकता है। उन्होंने साफ तौर पर यह भी कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी के खिलाफ विपक्षी दलों को एकजुट करने की कोशिश छोड़ दी है। यह कही ना कही विपक्षी दलों के लिए बड़ा झटका है।

बीआरएस, जिसे पहले तेलंगाना राष्ट्र समिति के रूप में जाना जाता था, ने कहा कि लोग इस तरह के दृष्टिकोण का स्वागत नहीं करेंगे और कहा कि यही कारण है कि केसीआर अपने तरीके से काम कर रहे थे। केटीआर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि लोगों को शासन के बेहतर मॉडल की जरूरत है, न कि केवल नेतृत्व के चेहरे में बदलाव की। उन्होंने कहा, विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश करने के बाद, केसीआर ने एक नए शासन मॉडल के बिना इसकी निरर्थकता को महसूस किया है, जो देश की जरूरत है। विशेष रूप से, केसीआर ने गैर-कांग्रेसी मोर्चा बनाने के लिए कांग्रेस और भाजपा को छोड़कर, पिछले दो वर्षों में कई विपक्षी नेताओं से मुलाकात की थी।

भाजपा का नीतीश पर तंज

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर की पार्टी बीआरएस ने 12 जून की विपक्षी एकता बैठक में शामिल होने से इनकार दिया। यह नीतीश कुमार के महात्वाकांक्षी गुब्बारे में चुभी एक और पिन है। मोदी ने कहा कि केसीआर ने विपक्ष शासित चार राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में नीतीश कुमार को न्योता नहीं दिया था। उन्होंने कहा कि इससे पहले उडीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने नीतीश कुमार की भाजपा-विरोधी मुहिम से किनारा कर लिया था। मोदी ने कहा कि राहुल गांधी के विदेश यात्रा पर रहने के कारण कांग्रेस की दूसरी-तीसरी कतार का कोई नेता ही पटना की विपक्षी जुटान में शामिल होगा। इसका कोई मतलब नहीं है।

भारत को लेकर 'वैकल्पिक सोच' के लिए विपक्ष मिलाएगा हाथ : राहुल

वाशिंगटन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यहां भारतीय अमेरिकी समुदाय के सदस्यों से शुक्रवार को कहा कि भारत में इस समय दो विभिन्न विचारधाराओं के बीच 'लड़ाई' चल रही है और उन्होंने भरोसा जताया कि देश को लेकर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सोच का 'विकल्प मुहैया कराने वाले नजरिए' के लिए सभी विपक्षी दल हाथ मिलाएंगे। उन्होंने कहा कि वह जब गैर-कांग्रेसी विपक्षी दलों के नेताओं से मुलाकात करते हैं, तो वह हमेशा इस बात पर जोर देते हैं कि 'हमारा मिलकर साथ लड़ना जरूरी' है। आत्मविश्वास से लबरेज गांधी ने यहां शुक्रवार को उनके सम्मान में आयोजित एक स्वागत समारोह में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के सदस्यों से कहा, 'मीडिया में कई लोगों को भाजपा और आरएसएस को हकीकत से अधिक महत्वपूर्ण दिखाना पसंद है। कृपया हिमाचल (प्रदेश) चुनाव को देखिए। कृपया कर्नाटक चुनाव को देखिए। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव होने वाले हैं... उन चुनावों को देखिए और आप पाएंगे कि कांग्रेस पार्टी भाजपा को हराने में पूरी तरह सक्षम है।'

खेल
प्रमुख समाचार

एशिया कप 2023 की मेजबानी को लेकर श्रीलंका से नाराज हुआ पाकिस्तान

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) एशिया कप 2023 की मेजबानी करने में दिलचस्पी दिखाने के कारण श्रीलंका क्रिकेट से नाराज है और उसने इस देश में एक दिवसीय द्विपक्षीय श्रृंखला खेलने के प्रस्ताव को नामंजूर कर दिया है। पीसीबी के सूत्रों के अनुसार श्रीलंका ने एशिया कप के पूरे टूर्नामेंट की मेजबानी करने की इच्छा जतायी है जिससे इन दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के रिश्तों में खटास पैदा हो गयी है।

सूत्रों ने कहा, 'इन दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड के बीच खटास पैदा होने का एक उदाहरण पीसीबी का श्रीलंका में अगले महीने एकदिवसीय श्रृंखला खेलने से इनकार करना है।' पाकिस्तान को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के अगले चक्र के तहत इस साल जुलाई में दो टेस्ट मैच खेलने के लिए श्रीलंका का दौरा करना है। श्रीलंका ने इसके साथ ही वनडे श्रृंखला खेलने का प्रस्ताव भी पीसीबी के सामने रखा था।

लेकिन विश्वसनीय सूत्रों ने पुष्टि की कि पीसीबी ने शुरू में कहा था कि वह इस प्रस्ताव पर विचार करेगा लेकिन अब उसने इसे नामंजूर कर दिया है। उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट संकेत है कि पीसीबी सितंबर में एशिया कप की की मेजबानी करने की श्रीलंका क्रिकेट की पेशकश से खुश नहीं है जबकि इस क्षेत्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करने की बारी पाकिस्तान की है।' एशियन क्रिकेट काउंसिल जल्द ही एशिया कप की मेजबानी पर फैसला कर सकता है। बता दें कि पिछले साल पाकिस्तान के एशिया कप की मेजबानी का सपना उस समय टूट गया, जब बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने साफ शब्दों में कहा कि टीम इंडिया पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। शाह एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष भी हैं।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

इस सप्ताह आएंगे आईपीओ निवेश के लिए तैयार रहे

नईदिल्ली। इस साल अभी तक छह मेनबोर्ड और 57 एसएमई आईपीओ की दस्तक से बाजार गुलजार रहा है। इस साल का अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ मैनकाइंड फार्मा का रहा है, जिसकी कीमत 4,300 करोड़ रुपये से अधिक है। कई कंपनियों ने अपना ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस फाइल किया है जो यह दर्शाता है कि आगे चलकर आईपीओ बाजार में तेजी आएगी। आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए कमाई के बेहतर अवसर लेकर आ सकता है। 5 जून से 9 जून के बीच एक मेनबोर्ड आईपीओ और एक एसएमई आईपीओ के बाजार में दस्तक देने की उम्मीद है। आईकीओ लाइटिंग आईपीओ 6 जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 8 जून को बंद होगा। आईपीओ के माध्यम से कंपनी 607 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। आईपीओ के तहत कंपनी 350 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयरों जारी करेगी। प्रमोटरों द्वारा 90 लाख इक्विटी शेयरों को बिक्री के लिए पेश किया जाएगा।

रिजर्व बैंक ने इंडियन ओवरसीज बैंक पर लगाया जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को आय निर्धारण से जुड़े नियमों का अनुपालन नहीं करने और नियामकीय अनुपालन में अन्य कमियों के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) पर 2.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया। यह जुर्माना आरबीआई के कुछ निर्देशों के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए लगाया गया है। इनमें 'आय निर्धारण पर विवेकपूर्ण मानदंड, संपत्ति वर्गीकरण और अग्रिमों से संबंधित प्रावधान आदि शामिल हैं। आरबीआई ने कहा कि यह कार्रवाई विनियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और बैंक द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता का इससे कोई सरोकार नहीं है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि आरबीआई द्वारा 31 मार्च, 2021 को बैंक के पर्यवेक्षी मूल्यांकन के लिए वैधानिक निरीक्षण (आईएसई 2021) उसकी वित्तीय स्थिति के संदर्भ में किया गया था।

बजाज फिनसर्व पुणे में 5,000 करोड़ का निवेश करेगी

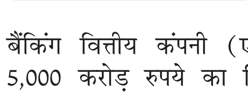

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने बजाज फिनसर्व के साथ एक सहमति पत्र (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को इस संबंध में कहा कि इसके तहत गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) पुणे में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी, जिससे 40,000 नौकरियां पैदा होंगी। एमओयू पर हस्ताक्षर करने के बाद फडणवीस ने कहा कि पुणे धीरे-धीरे वित्तीय सेवाओं का केंद्र बनता जा रहा है और अब बजाज फिनसर्व इस क्षेत्र में भारी उछाल लाएगा। फडणवीस ने कहा, 'मुझे लगता है कि वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हाल में किया गया यह सबसे बड़ा निवेश है।'

एफपीआई ने मई में 43,838 करोड़ रुपये का निवेश किया

नईदिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई में भारतीय शेयर बाजारों में 43,838 करोड़ रुपये का निवेश किया। जियोजित फाइनैंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि मई में बाजार में एफपीआई लिवाल रहे और उन्होंने शेयर बाजार और प्राथमिक बाजार के जरिए कुल मिलाकर 43,838 करोड़ रुपये का निवेश किया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के बीच एक सर्वेक्षण से पता चला है कि भारत अब सभी उभरते बाजारों के बीच सबसे आकर्षक है। इस पर निवेशकों के बीच आम सहमति है। मई में, भारत ने सभी उभरते बाजारों में सबसे बड़ा निवेश आकर्षित किया। वहीं दूसरी तरफ एफपीआई चीन में बिकवाल रहे थे। एफपीआई के जून में भी भारत में अपना निवेश जारी रखने की संभावना है।

दुनिया में सबसे तेज बढ़ी हमारी अर्थव्यवस्था

अखिलेश झा

विश्व-बाजार में कच्चे तेल के बढ़ते दाम और उस बाजार की अस्थिरता ने हमेशा से भारतीय अर्थव्यवस्था को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया है। चाहे वह मुद्रास्फीति के रूप में हो या राजकोषीय और व्यापारिक घाटे के रूप में। ये नकारात्मक पहलू ही आगे चलकर विकास दर, ब्याज दरों और भारतीय मुद्रा की कमजोरी का कारण बनते हैं। लेकिन, भारतीय अर्थव्यवस्था ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पहली बार कच्चे तेल के बाजार की उथलपुथल से प्रभावित न होते हुए अपनी रफ्तार न सिर्फ बनाए रखी, बल्कि उसमें नई धार भी ला दी।

मॉर्गन स्टेनली रिसर्च ने पिछले सप्ताह एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें भारतीय अर्थव्यवस्था की इस अप्रत्याशित उपलब्धि की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसी रिपोर्ट में इस बात का संकेत भी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अमेरिका की आर्थिक मंदी की चपेट में आ जाने की परिपाटी से भी एक हद तक मुक्ति पा ली है। ये दो अहम बिंदु न सिर्फ भारतीय बाजार की बढ़ती ताकत के संकेतक हैं, बल्कि भारत की कूटनीतिक सक्रियता और उसे भारतीय आर्थिक हितों के अनुरूप दिशा देने के सशक्त प्रयासों को भी रेखांकित करते हैं।

पिछले एक दशक में कॉरपोरेट टैक्स में लगभग दस प्रतिशत की कमी आई है और प्रभावी टैक्स की दर के 25% के स्तर पर यह एशिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम है। आकर्षक टैक्स दरों की वजह से विदेशी निवेश बढ़ाने में मदद मिलती है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े हर क्षेत्र में जिस गति से विकास हो रहा है, उसने बाजार को न सिर्फ प्रोत्साहित किया है, बल्कि उसकी

उत्पादकता और उसमें लाभ के अवसरों को भी बढ़ाया है। पिछले 9 वर्षों में भारत के राष्ट्रीय राजमार्ग की लंबाई दोगुनी हुई। इसी अवधि में रेलवे में सात गुना से भी अधिक विद्युतीकरण हुआ है और गैर-परंपरागत ऊर्जा का उत्पादन लगभग चार गुना बढ़ा है।

मॉर्गन स्टेनली रिसर्च का अनुमान है कि अगर भारत में इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में इसी गति से विकास होता रहा, तो बहुत जल्द ही रसद लागत, जो अभी जीडीपी के 14-15% तक आती है, घटकर लगभग 8% के आसपास रह जाएगी। यह वही स्तर है, जिसमें कोई अर्थव्यवस्था विकासशील से निकलकर विकसित की श्रेणी में आकर खड़ी हो जाती है। भारतीय बाजार में नगद को डिजिटल लेन-देन बहुत तेजी से पीछे छोड़ रहा है। यह न सिर्फ अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ा रहा है, बल्कि उसे गतिशील भी कर रहा है। जीडीपी के सापेक्ष डिजिटल लेन-देन 2015-16 में महज 4.4% थी, जो साल 2022-23 में 76.01% हो गई है। इस बदलाव का एक बहुत बड़ा कारण भारत सरकार की वित्तीय समावेशी नीतियां हैं, जिसने समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने को इस बदलाव के लिए मानसिक रूप से और कौशल के साथ तैयार किया।

भारतीय अर्थव्यवस्था की पिछले नौ वर्ष की उपलब्धियों का एक और अत्यंत महत्त्वपूर्ण पहलू है- प्रत्यक्ष लाभांतरण (डीबीटी)। चाहे मनरेगा का भुगतान हो, वृद्धावस्था पेंशन हो, किसान-सम्मान-निधि हो या छात्रवृत्ति हो, सबमें लाभ सीधे लाभार्थी के बैंक या पोस्ट ऑफिस के खाते में पहुंचाया गया। पिछले नौ सालों में लगभग 29.4 खरब मूल्य का प्रत्यक्ष लाभांतरण लाभार्थियों के खातों में पहुंचा। 2020-21 में ऐसे लाभार्थियों की संख्या लगभग दस करोड़ तक पहुंच गई थी। बाजार की ज़रूरत के अनुरूप रोजगार के अवसर बनाने और बाजार एवं श्रम के बीच एक कारगर पुल बनाने के लिए ई-श्रम एवं श्रम-सुविधा जैसे पोर्टल बनाए गए हैं, जिन पर लगभग तीन करोड़ लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है और उनमें आधे से अधिक महिलाएं हैं। कर्मचारी भविष्य निधि में योगदान करने वालों की बढ़ती संख्या इस बात की ओर इशारा करती है कि संगठित क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। 2022-23 में ऐसे कर्मचारियों की संख्या 11.50 करोड़ हो गई थी, जो 2020-21 तक महज 8.5 करोड़ ही थी।

जिन्ना और केरल की मुस्लिम लीग में कनेक्शन

अभिनय आकाश

राहुल गांधी द्वारा केरल में ग्रैंड ओल्ड पार्टी की सहयोगी मुस्लिम लीग को पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष पार्टी के रूप में संदर्भित करने के बाद शुक्रवार को भाजपा और कांग्रेस के बीच वाकयुद्ध छिड़ गया। फ्लैशप्वाइंट वाशिंगटन डीसी में नेशनल प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत के दौरान गांधी परिवार की टिप्पणी थी। एक रिपोर्टर ने राहुल गांधी से केरल में मुस्लिम लीग के साथ कांग्रेस के गठजोड़ के बारे में उसकी धर्मनिरपेक्षता की हिमायत करने और भाजपा की हिंदुत्व की राजनीति का विरोध करने के संदर्भ में पूछा गया। जिस पर राहुल ने कहा कि मुस्लिम लीग पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष पार्टी है। मुस्लिम लीग के बारे में कुछ भी गैर-धर्मनिरपेक्ष नहीं है। बीजेपी ने दावा किया कि अपने पूर्व लोकसभा क्षेत्र वायनाड में स्वीकार्य रहने की मजबूरी के कारण उन्होंने मुस्लिम लीग को एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी बताया है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि मोहम्मद अली जिन्ना के नेतृत्व वाली मुस्लिम लीग और केरल में स्थित इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग दो पूरी तरह से अलग और असंबंधित पार्टियां हैं। आईयूएमएल केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ का पारंपरिक सहयोगी है। ऐसे में आइए जानते हैं जिन्ना वाली मुस्लिम लीग का इतिहास क्या है और भारतीय मुस्लीम लीग के बीच क्या कोई समानता है। इसके साथ ही जानते हैं कि राहुल ने जिसे सेक्यूलर बताया है उसकी सच्चाई क्या है। भारतीय मुसलमानों के अधिकारों की रक्षा के लिए साल 1906 में मुस्लीम लीग का गठन किया गया। इस लीग का गठन ढाका के नबाव आगा खान और मोहसिन उल के नेतृत्व में किया गया था। आपको बता दें कि इस लीग का मुख्य उद्देश्य मुस्लिमों में ब्रिटिश सरकार के प्रति निष्ठा को प्रोत्साहित करना। उनके अधिकारों की रक्षा और उनकी जरूरतों को सरकार के सामने पेश करना और अन्य समुदायों के प्रति विरोध की भावना को कम करना था। वैसे गठन के दो साल बाद 1908 के अमृतसर में मुस्लिमों के लिए एक अलग निर्वाचन मंडल की मांग उठी, जिसे 1909 में मार्ले मिंटो सुधारों द्वारा पूरा कर लिया गया। देश में हिन्दुओ और मुस्लिमों के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा था। इसी को देखते हुए 1938 में महात्मा गांधी और मोहम्मद अली जिन्ना ने इस तनाव को कम करने के उपाय निकालने के लिए बातचीत शुरू की। लेकिन इस बातचीत का असर भी जल्द ही खत्म हो गया। दिसंबर में लीग द्वारा मुसलमानों के उत्पीड़न की जांच के लिए समिति बना दी गई। 1944 में पाकिस्तान की मांग पर महात्मा गांधी और जिन्ना के बीच गहरे मतभेद पैदा हो गए। दोनों ही अपनी बात को पहले मनवाना चाहते थे। जहां एक तरफ जिन्ना को पाकिस्तान पहले चाहिए था और आजादी बाद में जबकि गांधी का कहना था कि आजादी पहले मिलनी चाहिए। 1946 में मुस्लिम लीग ने कैबिनेट मिशन की योजना से खुद को अलग कर लिया। फिर आंदोलन छिड़ गया और पूरे देश में मार-काट मच गई। जिन्ना का डायरेक्ट एक्शन वाली घोषणा के बारे में तो आप सभी ने पढ़ा होगा। 29 जनवरी को मुस्लीम लीग ने संविधान सभा को भंग करने की मांग की। फरवरी में पंजाब में भी सांप्रदायिक हिंसा शुरू हो गई। 1947 में पाकिस्तान के गठन के बाद लीग पाकिस्तान का प्रमुख राजनीतिक दल बन गई। इसी साल इसका नाम बदलकर 'ऑल पाकिस्तान मुस्लिम लीग' कर दिया गया। भारत में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग 10 मई 1948 को अपने अस्तित्व में आई। इसकी शुरुआत राजनीति दल के तौर पर हुई। इसे चुनाव आयोग ने मान्यता दी और इस पार्टी ने केरल में सरकार भी बनाई है। आईयूएमएल ने चुनाव लड़ा और लोकसभा में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। आईयूएमएल केरल का जाना-माना राजनीतिक दल है और इसे रीजनल पार्टी का दर्जा प्राप्त है। केरल के कई हिस्सों में इस पार्टी का गहरा प्रभाव है। डॉ मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली पहली और दूसरी यूपीए सरकारों में पार्टियां। साठ के दशक के मध्य से केरल और पश्चिम बंगाल में वामपंथी दलों सहित अन्य धर्मनिरपेक्ष दलों और उनके द्वारा चलाई गई सरकारों के साथ अपने लंबे समय के जुड़ाव में, मुस्लिम लीग अपने स्वतंत्रता-पूर्व अतीत से विरासत में मिले दागों को धोने में सक्षम रही।

सियासी सवालों से घिरा राजस्थान

निरंजन परिहार

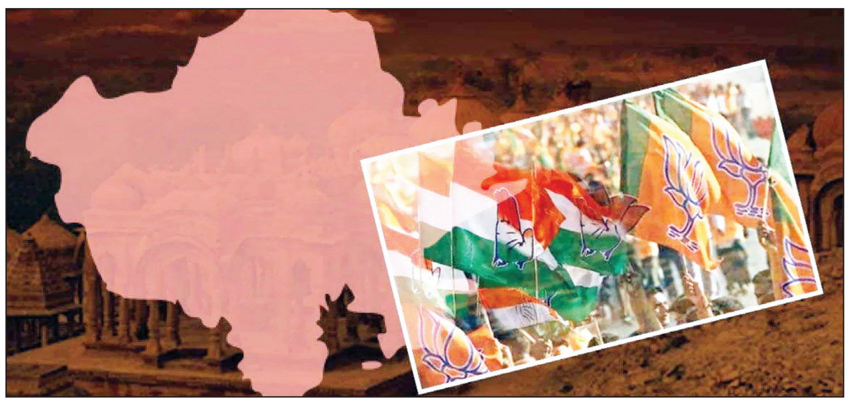

राजस्थान में विधानसभा चुनाव सिर पर है। सियासी बिसातें बिछ रही हैं। कार्यकर्ता कमर कस रहे हैं, नेता हुंकार भर रहे हैं, और रणनीतिकार सियासत के सूत्र पकड़ने में व्यस्त हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अजमेर में रैली करके चुनाव की रणभेरी भी बजा दी है और कांग्रेस को अपनी चुनौती भी पेश कर दी है। लेकिन आमतौर पर चुनाव से छह महीने पहले किसी भी प्रदेश में राजनीति और राजनेताओं का जो भी हाल होता है, राजस्थान में वही हाल कुछ ज्यादा ही बेहाल है। कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही दलों में अंदरूनी खींचतान, गुटबाजी, परस्पर मात देने की कोशिश और मनमुटाव का माहौल मचल रहा है। कांग्रेस में सवाल यह है कि पार्टी संगठन के खस्ताहाल होने के बावजूद आखिर अशोक गहलोत की इतनी मेहनत क्या रंग लाएगी, तो बीजेपी में सवाल यह कि मोदी और शाह अपने दर्जन भर प्रादेशिक नेताओं की खींचतान खत्म करके पार्टी को सत्ता में लाने का पथ कैसे संवारेंगे?

सवाल यह भी है कि इन दोनों बड़े दलों के दंग करने वाले दलदल में छोटी पार्टियां कैसे अपनी जमीन तलाशेंगी, और सवाल यह भी है कि रेतीले राजस्थान की राजनीति में कौन इस चुनाव में शिखर पर होगा, किसकी सदा के लिए समाप्ति हो जाएगी और किसको जीवनदान मिल जाएगा। इस सबके बीच सवालों के घेरे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या राजस्थान की जनता %एक बार तू और एक बार मैं% वाला फार्मूला तोड़ने का मन बना चुकी है या परंपरा बरकरार रहेगी?

सियासत के इन सुलगते सवालों का ध्रुव सत्य यह भी है कि राजस्थान की राजनीति में बहुत सारे लोग ऐसे भी हैं, जो तीन बार मुख्यमंत्री बनने सहित अशोक गहलोत के राजनीतिक उत्थान को काफी आसानी से जुगाड़ और अवसरवाद करार देकर अपना कलेजा ठंडा कर लेते हैं। उनके पास गहलोत की ताकत को तोलने के कुछ हल्के तर्क और कुछ कमजोर कारण भी जरूर होगें। लेकिन उन लोगों के लिए यह समझना कठिन है कि अस्तित्व और आकांक्षा के अद्वैत को साधने के लिए निर्गुण और सगुण का नहीं, निराकार और साकार में से केवल साकार का चुनाव करना पड़ता है।

अपने 50 साल के राजनीतिक जीवन में गहलोत ने सदा से ही राजनीति के साकार पात्रों को साधने में समय दिया, और एक बड़ी बात यह कि धाराएं भले ही अलग रही हों, न तो गहलोत ने किसी के भरोसे अपनी राजनीति की और न ही किसी से नाता तोड़ा। न तो नरेंद्र मोदी से, न वसुंधरा राजे से और न ही अपनी पार्टी के आलाकमान से। खुलकर चुनौती तो किसी को दी ही नहीं। राजनीति के पांच दशक के लंबे सफर में गहलोत अपने जीवन के पता नहीं कब और किस मोड़ पर यह सत्य सीख गए थे कि रिश्तों में किया गया निवेश ही असल निवेश होता है। इसीलिए हर बार, हर जगह और हर हाल में वे अपने खास अंदाज में फिर से प्रकट हो ही जाते हैं।

यही वजह है कि राजस्थान की कांग्रेसी राजनीति की अब तक की सबसे बड़ी और सबसे लंबी चली बगावत के बावजूद पायलट, बहुत कोशिश करके भी गहलोत का व्यक्तिगत नुकसान नहीं कर पा रहे हैं। हां, इतना जरूर है कि पायलट की कोशिशों से जो भी नुकसान हो रहा है, वह कांग्रेस पार्टी का हो रहा है, न संगठन सक्रिय हो पा रहा है और न ही कार्यकर्ता। दो खेमों में बंटवारा साफ है और इस हाल में तो फिर पायलट का भी कोई प्रकट राजनीतिक लाभ कहां है। निश्चित तौर पर पायलट की उम्मीदें और आकांक्षाएं बड़ी भले ही हों, लेकिन ज्यादातर नौसिखिया नेताओं की तरह उनकी नाराजगी में बिगड़ रहे हालात के बाद आखिर उनकी नाव भी किस घाट पर जा कर लगेगी, खुद उन्हें भी इसका अंदाजा नहीं है। इसीलिए सवाल यह भी है कि कांग्रेस की सरकार फिर से लाने की मुख्यमंत्री गहलोत की कोशिशें कितनी फलित होंगी, और फलित होंगी भी या नहीं? सत्ता सवालों के घेरे में हैं, तो बीजेपी के उत्साह पर भी सवाल कोई कम नहीं है। उसके उत्साह का एक कारण भले ही यह है कि राजस्थान में हर पांच साल सत्ता में बदलाव की बिसात पर उसकी नैया पार लगना वह तय मान रही है। और, यह भी कि कांग्रेस की फूट का लाभ सीधा उसे ही मिलेगा। लेकिन बीजेपी में भी वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री के घोषित चेहरे की चमक से दरकिनार करके चुनाव कैसे जीता जाए, यह सबसे बड़ा सवाल है। बुधवार को अजमेर पहुंचे नरेन्द्र मोदी और वसुंधरा राजे के बीच किसी को दूरी दिखी तो किसी को सबकुछ सामान्य लगा। बैनर पोस्टर पर भी मोदी के साथ वसुंधरा राजे की तस्वीर दिखाई दी। फिर भी सवाल मौजूद है कि क्या भाजपा वसुंधरा राजे को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाये बिना ही चुनावी समर में उतरने की तैयारी कर रही है? जिन वजहों से कांग्रेस को जितना कमजोर बताया जा रहा है, वैसी ही वजहों से उतनी ही कमजोर बीजेपी भी है। मतभेद है, गुटबाजी है, एक दूसरे को नीचा दिखाने की कोशिशें हैं और जातिगत जनाधार का बंटवारा भी साफ है। जनता की जुबान पर मुख्यमंत्री पद के लिए नामों की सूची दर्जन भर लंबी है तो उन सभी दर्जन भर नेताओं के बीच टकराव का इतिहास भी कोई नया नहीं है।

विधानसभा चुनाव की कमान प्रकट तौर पर भले ही प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी के हाथ होगी, लेकिन असली डोर बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व के हाथ ही रहेगी। इसीलिए सवाल यह है कि वसुंधरा राजे, ओम बिड़ला, राजेंद्र सिंह राठौड़, गजेंद्रसिंह शेखावत, ओमप्रकाश माथुर, अर्जुन मेघवाल, राजेंद्र गहलोत, राज्यवर्धन सिंह राठौड़, किरोड़ीलाल मीणा, सतीश पूनिया और दीया कुमारी जैसे राजपूत, ओबीसी, जाट, दलित व आदिवासी मजबूत नेता क्या अपने से जूनियर सीपी जोशी के निर्णयों को प्रभावित करने की कोशिश नहीं करेंगे? माना कि जोशी राजस्थान की राजनीति में सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नुमाइंदे हैं, और अमित शाह व जेपी नड्डा का आशीर्वाद उन्हें प्राप्त हैं। लेकिन अपने प्रादेशिक वरिष्ठ नेताओं के बीच सामंजस्य साधकर उस ताकत को वोटों में तब्दील करने की उलझनों को सुलझाना भी तो उनके लिए किसी रहस्यमयी सवाल से कम नहीं है? बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व जानता है कि राजनीति संभावनाओं का खेल है। लेकिन जहां संभावनाएं खुद ही खेल करने लगें, तो खेल के खत्म होते देर नहीं लगती। इसीलिए बीजेपी का केंद्रीय नेतृत्व साल भर से स्थानीय नेताओं के बीच के अवरोध चुपचाप कम करने में जुटा है। केंद्रीय नेतृत्व को आभास है कि राजनीति में मनमुटाव और परस्पर नीचा दिखाने की होड़ जब व्यक्तिगत स्तर पर ज्यादा सताने लगे, तो बरबादी का रास्ता खुलना तय है। ऐसे में मामला अगर राजनीतिक संगठन का हो तो, और चुनाव से जुड़ा हो, तो जीत मुश्किल हो ही जाती है। सो, कहा जा सकता है कि बीजेपी के लिए भी चुनाव जीतना उतना ही मुश्किल है, जितना कांग्रेस में पायलट और गहलोत का एक होना। कांग्रेस और बीजेपी की सीधी ताकतवाले प्रदेश में आश्चर्य इस बात का भी है कि छोटी पार्टियां भी अपनी जड़ें जमाने को जमीन तलाश रही हैं। राजस्थान में वैसे तो सालों पहले बूटासिंह की राजस्थान विकास पार्टी, और बाद में देवीसिंह भाटी की सामाजिक न्याय मंच, किरोड़ीलाल मीणा की राजस्थान जनतांत्रिक पार्टी और घनश्यान तिवाड़ी की भारत वाहिनी पार्टी जैसी छोटी पार्टियां असफलता के आसमान से पछाड़ खाकर धड़ाम से गिरी, खत्म भी हो गईं और उनके नेता फिर अपने पुराने घाट पर पहुंच गए। लेकिन हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को बीच चुनाव में मिली छोटी सी सफलता और हाल के उपचुनावों में मिले ठीक - ठाक वोटों के कारण इस बार फिर नई उम्मीद है, क्योंकि उनका जातिगत जनाधार किसान कौम की जरा मजबूत जमीन पर जमा हुआ है। अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और हैदराबाद वाले औवैसी की एआईएमआईएम जैसी पार्टियां भी राजस्थान में अपने लिए जमीन बनाने की जुगत में है। मगर, खुद अपने अस्तित्व के सवालों के घेरे में खड़ी इन पार्टियों को राजस्थान में कोई जगह मिलेगी या नहीं, यह भी एक बड़ा सवाल है। इन सारे ही सवालों के बीच राजस्थान की सियासत में सबसे बड़ा सवाल यह है कि गहलोत की जनकल्याणकारी योजनाओं के बावजूद अंजरूनी टकराव से कांग्रेस की खिचड़ी खराब होगी या बारहों महीने बवाल चलते रहने के बावजूद बीजेपी सत्ता के शिखर पर पहुंचने में कामयाब होगी?

भारतीय ज्ञान परंपरा....

कृष्णोपनिषद् (भाग-4)

गतांक से आगे...

समस्त भूत- प्राणियों पर अहैतुकी कृपा करने के लिए एवं अपने आत्मज स्वरूप धर्म के अभ्युदय हेतु ही भगवान् श्रीकृष्ण का प्रादुर्भाव हुआ है, ऐसा ही जानना चाहिए। भगवान् महाकाल (शिव) ने श्रीहरि को समर्पित करने के लिए जिस चक्र को उत्पन्न किया था, भगवान् (श्री कृष्ण) के हाथ में शोभायमान वह चक्र भी ब्रह्ममय ही है।

धर्म ने चँवर का रूप धारण किया है, वायुदेव वैजयन्ती माला के रूप में उत्पन्न हुए हैं और महेश्वर ने अग्नि की भाँति चमकते हुए खड्ग का रूप स्वीकार किया है। नन्द जी के घर में कश्यप ऋषि ऊखल के रूप में प्रतिष्ठित हैं तथा माता अदिति रस्सी के रूप में प्रकट हुई हैं। जिस प्रकार समस्त अक्षरों के ऊपर अनुस्वार सुशोभित होता है, वैसे ही सभी के ऊपर जो शोभायमान आकाश है, उसको ही भगवान् श्रीकृष्ण का छत्र समझना चाहिए। व्यास, वाल्मीकि आदि ज्ञानी महात्माजन देवों के जितने रूपों का वर्णन करते हैं और जिन-जिन को लोग देवरूप में समझ कर नमन-वंदन करते हैं, वे समस्त देवगण भगवान् श्रीकृष्ण का ही एक मात्र अवलम्बन प्राप्त करते हैं। भगवान् के हाथ की गदा सम्पूर्ण शत्रुओं को विनष्ट करने वाली साक्षात् कालिका है। शार्ङ्गधनुष के रूप में स्वयं वैष्णवी माया ही उपस्थित है तथा प्राणों का संहार करने वाला काल ही भगवान् का बाण है। इस विश्व वसुधा के बीज स्वरूप कमल को भगवान् ने लीलापूर्वक हाथ में ग्रहण किया है। भाण्डीर वट का रूप गरुड़ ने धारण कर रखा है और देवर्षि नारद उनके सुदामा नामक सखा के रूप में अवतरित हुए हैं। भक्ति ने वृन्दा का रूप धारण किया है। समस्त भूत-प्राणियों को प्रकाश प्रदान करने वाली जो बुद्धि है, वही भगवान् की क्रियाशक्ति है। इस कारण ये गोप एवं गोपिकाएँ आदि सभी भगवान् श्रीकृष्ण से अलग नहीं हैं तथा विभु परमात्मा श्रीकृष्ण भी इन सभी से अलग नहीं हैं। उन भगवान् श्रीकृष्ण ने स्वर्गवासियों को एवं समस्त वैकुण्ठ धाम को पृथिवीतल पर अवतरित कर लिया है, जो भी मनुष्य इस तरह से उन भगवान् को जानता है, वह समस्त तीर्थों के फल को प्राप्त कर लेता है और शारीरिक बन्धनों से मुक्त हो जाता है, ऐसी ही यह उपनिषद् है।

क्रमशः ...

मासूम बच्चों की पीड़ा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस

डॉ. सत्यवान सौरभ

अंतर्राष्ट्रीय दिवस जनता को चिंता के मुद्दों पर शिक्षित करने के लिए, वैश्विक समस्याओं को संबोधित करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसाधन जुटाने के लिए, मानवता की उपलब्धियों को मनाने और सुदृढ़ करने के अवसर हैं। अंतर्राष्ट्रीय दिनों का अस्तित्व संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से पहले है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें एक शक्तिशाली वकालत उपकरण के रूप में अपनाया है। 19 अगस्त 1982 को फिलिस्तीन के सवाल पर एक विशेष सत्र में सयुंक्त राष्ट्र की महासभा ने प्रत्येक वर्ष के 4 जून को मासूम बच्चों की पीड़ा का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाने का फैसला किया, इस दिन का उद्देश्य दुनिया भर में बच्चों द्वारा पीड़ित दर्द को स्वीकार करना है जो शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक शोषण का शिकार हैं। यह दिन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा, हमें सार्वभौमिक मास्टरप्लान प्रदान करता है ताकि बच्चों के बेहतर भविष्य को सुरक्षित किया जा सके। नए एजेंडे में पहली बार बच्चों के खिलाफ हिंसा के सभी रूपों को समाप्त करने के लिए एक विशिष्ट लक्ष्य शामिल है और बच्चों के दुर्व्यवहार, उपेक्षा और शोषण को समाप्त करने के लिए कई अन्य हिंसा-संबंधी लक्ष्यों को मुख्यधारा में शामिल किया गया है।

वर्ष 2012 में भारत में भी पॉक्सो के लागू होने के बाद भी बाल उत्पीड़न संबंधी अपराधों के मामलों में वृद्धि को देखते हुए वर्ष 2019 में पॉक्सो अधिनियम में कई अन्य संशोधनों के साथ ऐसे अपराधों में मृत्युदंड की सजा का प्रावधान किया गया है। इस अधिनियम में किये गए हालिया संशोधनों के तहत कठोर सजा प्रावधानों के साथ अपराध की रोकथाम से संबंधित उपायो पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस संशोधन के माध्यम से बाल उत्पीड़न के मामलों को रोकने के लिये सरकार और अन्य हितधारकों के सहयोग से बच्चों को व्यक्तिगत सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और लैंगिक अपराधों आदि के बारे में अवगत कराना तथा इन अपराधों से संबंधित शिकायत एवं कानूनी प्रक्रिया के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण करने संबंधी अधिनियम (प्रोटेक्शन ऑफ़ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ओफ्फेंसेस एक्ट-पोक्सो) का संक्षिप्त नाम है। इस अधिनियम को 2012 में बच्चों के हित और सुरक्षा का ध्यान रखते हुए बच्चों को यौन अपराध, यौन उत्पीड़न तथा पोर्नोग्राफी से संरक्षण प्रदान करने के लिये लागू किया गया था।

इस अधिनियम में 'बालक' को 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है और यह बच्चे का शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक और सामाजिक विकास सुनिश्चित करने के लिये हर चरण को ज़्यादा महत्त्व देते हुए बच्चे के श्रेष्ठ हितों और कल्याण का सम्मान करता है। इस अधिनियम में लैंगिक भेदभाव नहीं है। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष मद्रास उच्च न्यायालय ने सुझाव दिया था कि 16 वर्ष की आयु के बाद सहमति से यौनिक, शारीरिक संबंध या इस प्रकार के अन्य कृत्यों को पोस्को अधिनियम के दायरे से बाहर कर देना चाहिये।

कर्नाटक में सब जीते तो हारा कौन ?

अनुज अग्रवाल

भाजपा के असंख्य आरोपों, कोशिशों, जाँच एजेंसियो के छापो और चुनावी माहौल के भगवाकरण करने के बाद भी देश से निपटती व सिमटती जा रही कांग्रेस पार्टी ने बड़े आराम से प्रभावशाली बहुमत के साथ हिमाचल प्रदेश के बाद कर्नाटक में न केवल जीत प्राप्त की वरन् सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच चल रहे शक्ति संघर्ष को भी निबटाकर अपनी सरकार का गठन भी कर लिया। गांधी परिवार तो इस जीत पर फूला न समा रहा और लोकसभा का दावा ठोंक रहा है।

तो उधर बीजेपी के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विपक्ष की अनगिनत आलोचनाओ, आरोपों, व्यवधानों क़ानूनी रूकावटो व बहिष्कार के उपरांत भी संसद के नए दिव्य, भव्य व भारतीयता से ओतप्रोत भवन को समय से न केवल पूरा करवाया वरन् उसका उद्घाटन भी कर दिया। अपने नौ साल के कार्यकाल को सफलतापूर्वक पूरा करने का रिकॉर्ड बनाने के साथ ही मोदी जी वि भाजपा ने उन हजारो कामों को गिनाया जो पिछले नौ साल में उन्होंने पूरे किए व उनको कांग्रेस के पचास सालों के शासन में हुए कामों से कहीं ज़्यादा बताया। टीम मोदी को भरोसा है कि राज्यो में समीकरण कुछ भी रहे हों मगर केंद्र में तो मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए व भाजपा की ही सरकार बनेगी क्योंकि मोदी जिनके व्यक्तित्व व उनकी सरकार के कामों के कारण जो समर्थक व लाभार्थी वर्ग पैदा हुआ है वे सब संघ परिवार के परंपरागत समर्थकों के साथ मिलकर उनकी सरकार आसानी से बनवा ही देंगे। वैसे भी अभी मोदी जी के तरकश में कितने तीर हैं यह कोई नहीं जानता। जब वे चलेंगे तो विपक्ष का गणित बिगाड़ना तय है।

जीत जाने का श्रेय उच्चतम न्यायालय भी कर रहा है जिसने समलैंगिकता, दिल्ली सरकार व एलजी की अधिकारों के बँटवारे की लड़ाई में मोदी सरकार को बैकफुट पर ला दिया और अंततः मोदी जी को अपने क़ानून मंत्री किरन रिज़िजू जोकि कोलिजियम के मुद्दे पर लगातार न्यायपालिका के ख़िलाफ़ मुखर हो रहे थे को हटाकर इस उम्मीद में दूसरे मंत्रालय में भेज दिया कि अब न्यायपालिका उनकी सरकार की नीतियों व दर्शन के इतर जाकर संविधान की व्याख्या नहीं करेगी । मोदी सरकार ने इसी भरोसे के साथ ही दिल्ली सरकार को न्यायालय द्वारा दिए गए सेवा संबंधी अधिकारों को पुनः उपराज्यपाल को देने के लिए अध्यादेश भी जारी कर दिया।

जीत का श्रेय इन दिनों नीतीश कुमार भी ले रहे हैं कि उनके प्रयासों से धीमी गति से ही सही मगर लोकसभा चुनावों से पूर्व विपक्ष के एक होने व बीजेपी के विरुद्ध मिलकर चुनाव लड़ने की संभावनाएँ बलबती हो रही हैं। नीति आयोग की बैठक का विपक्ष शासित राज्यो के मुख्यमंत्रियों द्वारा बहिष्कार , संसद के नए भवन के उद्घाटन समारोह का बहिष्कार,दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल द्वारा केंद्र सरकार के अध्यादेश को विपक्ष से मिलता समर्थन , बंगलौर में कांग्रेस पार्टी की सरकार के शपथ ग्रहण के समय एकत्र हुए विपक्ष की मिली जुली लड़ाई के अगले कदम हैं जिनकी आक्रामकता अब लोकसभा चुनावों तक ऐसे ही मिलती रहेगी। इसी बीच विपक्ष पहलवानों व किसानों को जंतर मंतर पर फिर से बैठकर मोदी सरकार पर फिर से दबाव बनाए हुए है। उनको लगता है कि इस बार वे एनडीए, भाजपा व मोदी जी को हरा ही देंगे।

जीत की और तो केंद्रीय जाँच एजेंसिया व रिज़र्व बैंक भी हैं। एनईए, ईडी, आयकर, सीबीआई आदि की आतंकी हमलों, नेटवर्क व फ़ंडिंग, ड्रग्स व शराब माफिया, नेताओ के कालेधन, साइबर अपराधियों आदि के ख़िलाफ़ इतनी भारी मात्रा में कार्यवाही चल रही हैं जिनको देख हैरानी हो रही है। इन सबके बीच रिज़र्व बैंक द्वारा दो हज़ार के नोट को वापस लेने की घोषणा कालेधन के जमाख़ोरो व भ्रष्टाचारियों की कमर ही तौड़कर रख दी है।

उधर यूक्रेन युद्ध में रुस लगातार हावी होता जा रहा है और जीत की ओर बढ़ता जा रहा है। रुस की कूटनीतिक व सामरिक रणनीति में फँसकर अमेरिका और यूरोप विकराल आर्थिक मंदी , महंगाई व बेरोज़गारी के चक्र में फँसकर बर्बाद होते जा रहे हैं। इस बीच चीन तेज़ी से पाव फैलाकर एशिया व अफ़्रीका में अपने प्रभुत्व को बढ़ाता जा रहा है। नाटो देशों के नेताओ अमेरिका, इंग्लैंड व फ़्रांस की नींद उड़ी हुई हैं।

कूटनीति के मोर्चे पर भारत की पौ बारह है और वो चीन रुस व नाटो देशों के टकराव में दोनों गुटों की पसंद बन गया है। रुस उसे सस्ता तेल दे रहा है तो चीन भारत की सीमाओ पर आक्रामकता का नाटक कर रहा है। सबसे बड़ा दुश्मन पाकिस्तान आपसी सत्ता संघर्ष व मंदी के कारण बर्बादी के कगार पर है। उधर भारत को लुभाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति उनके ऑटोग्राफ माँग रहे हैं तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री उनको बॉस कह रहे हैं। अमेरिका, आस्ट्रेलिया व फ़्रांस के साथ ही इंग्लैंड व जापान विशेष व्यापारिक संधियों को बेताब हैं। भारत के लिए यह सब जितना लुभावना दिख रहा है उतना चुनौतीपूर्ण भी है। राजनय के मोर्चे पर भारत की हर दिन परीक्षा होनी तय है।

चाहे घरेलू राजनीति हो या फिर कूटनीति , समय जे साथ कब बाज़ी पलट जाए कुछ पता नहीं चलता जीत कब हार में बदल जाए यह कोई नहीं जानता। कोविड से बिगड़ी स्थिति हों या यूक्रेन युद्ध से पटरी से उतरती अर्थव्यवस्था या फिर जलवायु परिवर्तन की मार से हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर को नुक़सान, मौतें व घटता अनाज का उत्पादन सब का प्रभाव महंगाई व बेरोज़गारी के साथ बीमारियों व विनाश के रूप में ही सामने आता है। भारत सहित विश्व की अधिकांश व्यवस्था से जुड़े लोगों व चंद कारोबारियों को छोड़ आम जनता पिछले चार वर्षों से यह मार बार बार झेल रही है। जीत हार से परे उसके लिए यह अस्तित्व का संघर्ष बन चुका है। राजनीति और राज़नय की जय विजय के बीच यह वर्ग बस पिसता जा रहा है , सिमटता जा रहा है। हार तो वह बहुत पहले ही चुका है।

बापू की दिनचर्या

स्वाध्याय और लेखन (भाग-4)

गतांक से आगे...

बापू का यह गुण और उनकी यह शक्ति विलक्षण थी। जेल में होते, देश के दूर-से-दूर के कोने में भ्रमण कर रहे होते अथवा विदेश की यात्रा में होते, दूर-स-दूर हर जगह से उनके पत्र उनके परिवार में दाखिल भाई-बहनों के पास अचूक भाव से पहुँचा करते। जिनको उनके पत्र मिलते, उनके लिए वे वरदान बन जाते। उनका एक छोटा-सा वाक्य साथियों में नवजीवन का संचार करता और अन्याय, अनीति से जूझने में लगे भाई-बहनों में हजार-हजार हाथियों का बल भर देता। पाठक इसे अतिशयोक्ति न समझें। हम लोगों ने, जो उनके साथ रहे हैं, अपने जीवन में इसका प्रत्यक्ष अनुभव किया है। आज भी हममें से अनेक उनके उन पत्रों के प्रसाद के कारण अपने में नवजीवन की अनुभूति करते हैं। इस दृष्टि से बापू का पत्र - साहित्य इस युग की और आनेवाली मानवता की अनमोल थाती बनकर रहेगा। पत्र लेखक के रूप में वे बेजोड़ थे। वे अपने प्रेम का प्रसाद सबको बराबर बाँटते रहे। जिनके पास उनके पत्र आज भी सुरक्षित हैं, उनके लिए वे हीरे-मोती से अधिक मूल्यवान् और अखंड प्रेरणा के स्रोत हैं। उतावली में पत्र न लिखना बापू का खास गुण था, उनकी विशेषता थी। दोहराये बिना वे पत्रादि डाक में जाने नहीं देते। यदि कभी समय का अभाव रहता और वे दोहरा न पाते तो स्पष्ट लिख देते कि दुबारा नहीं पढ़ा या दुबारा आधा ही पढ़ा। डाक के समय का भी उन्हें बहुत खयाल रहता । खास आवश्यकता पड़ने पर स्वाध्याय एवं लेखन के समय भी वे किसी को मिलने की सुविधा दे देते। लिखते-लिखते जब बापू का हाथ थक जाता, तब वे दूसरे हाथ से लिखना प्रारंभ कर देते। सन् 32 में यरवदा जेल में ऐसा वे अपनी बाई कोहनी से ऊपर की हड्डी में और दाहिने हाथ के अँगूठे में दर्द के कारण करते। गुजराती वे दोनों हाथ से लिखते। हिंद स्वराज्य नामक अपनी प्रथम पुस्तक उन्होंने विलायत से दक्षिण अफ्रीका जाते समय जहाज पर दोनों हाथों से लिखी थी। यह भी उल्लेख्य है कि उनके बायें हाथ की लिखावट विशेष सुवाच्य होती । यरवदा जेल में सन् 32 में सरदार पटेल ने बापू से विनोद किया कि आपका वश चले तो पैरों से भी कलम चलाएँ। बापू ने हाथ रुक जाने पर वैसा करना संभव बताया।

क्रमशः ...

संक्षिप्त समाचार

ओडिशा ट्रेन हादसे पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने जताया शोक

रायपुर। ओडिशा के बालासोर जिले में बहानागा रेलवे स्टेशन के पास कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने व कई लोगों के दुखद निधन की खबर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने शोक जताया है। उन्होंने आज ओडिशा के मुख्यमंत्री से दूरभाष पर चर्चा कर घटना को लेकर दुख जताया है। इसके अलावा उन्होंने अपनी संवेदना प्रकट करते हुए ओडिशा के सीएम से कहा कि छत्तीसगढ़ की ओर से ओडिशा को हर संभव मदद की जाएगी। श्री बघेल ने कहा कि छत्तीसगढ़वासी हताहतों के दुख में साथ खड़े हैं। हम सब घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। मुख्यमंत्री ने शोक संदेश जारी करते हुए लिखा है-ओडिशा के बालासोर जिले में बहानागा रेलवे स्टेशन के पास कोरोमंडल एक्सप्रेस ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने का समाचार दुखद है। दुर्घटना में दिवंगत जनों की आत्मा को ईश्वर शांति दे। घायलों के स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ। ईश्वर सबके परिजनों को हिम्मत दे।

खेत गई बुजुर्ग महिला पर भालू का हमला, शोर मचाते ही भागे आए ग्रामीण

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मरवाही में जंगल महुआ बीज डोरी बीनने गई बुजुर्ग महिला पर भालू ने हमला कर दिया। घटना में महिला को गंभीर चोट आई है। जिसे 108 संजीवनी एक्सप्रेस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मे भर्ती कराया गया है। पूरा मामला मरवाही वन परिक्षेत्र के मगुरदा गांव का है। जहां पर रहने वाली रामवती पति राम सिंह उम्र 56 वर्ष आज सुबह रोज की तरह डोरी (महुआ बीज) बीनने जंगल से सटे खेतों की तरफ गई हुई थी। महिला डोरी बिन रही थी। तभी अचानक एक भालु वहां पहुंच गया। महिला कुछ समझ पाती। उसी दौरान उसके ऊपर भालू ने हमला कर दिया। हमले में रामवती गंभीर रूप से घायल हो गई और महिला की चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण महिला के पास पहुंचे। जिसे देखकर भालू जंगल की ओर भाग गया। जिसके बाद ग्रामीणों ने मामले की जानकारी आपातकालीन डायल 108 संजीवनी एक्सप्रेस को कॉल कर दी। सूचना पाकर ड्यूटी पर तैनात आपातकालीन स्टॉप घटनास्थल पर पहुंचा और गंभीर रूप से घायल रामवती को तत्काल प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराते हुए मरवाही के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज चल रहा है और अब स्थिति स्थिर है।

मंडल रेल प्रबंधन के साथ रेलवे कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों की बैठक हुई

बिलासपुर। मंडल रेल प्रबंधक सभाकक्ष में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्याम सुंदर, देवराज की उपस्थिति में शुक्रवार को बिलासपुर मंडल अन्य पिछड़ा वर्ग रेलवे कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों के साथ अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभी शाखाधिकारी, अन्य पिछड़ा वर्ग रेलवे कर्मचारी संगठन के मंडल सचिव श्री एस.मधुसुदन राव एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में अन्य पिछड़ा वर्ग रेलवे कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों द्वारा कर्मचारियों के मूलभूत शिकायतों, समस्याओं के निराकरण हेतु विभिन्न मुद्दे दिये थे जिन पर विभागीय टिप्पणी के आधार पर सभी मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर ने बैठक में उठाए गए सभी मुद्दों पर आवश्यक कार्यवाही करते हुये नियमानुसार निराकरण करने की बात कही । साथ ही रेलवे द्वारा की जा रही सभी विकास कार्यों में प्रशासन का सहयोग करने के लिए संगठन की तारीफ की गई 7वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री प्रदीप मिश्रा द्वारा बैठक का समन्वयन किया गया।

टीचर्स एसोसिएशन ने व्याख्याता एलबी संवर्ग को प्राचार्य पद में पदोन्नति के लिए शिक्षा मंत्री को सौंपा ज्ञापन

बालोद। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष दिलीप साहू ने बताया कि एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा व प्रदेश उपाध्यक्ष बसंत चतुर्वेदी ने शिक्षा मंत्री प्रेम साय सिंह टेकाम से मुलाकत कर चर्चा किया व प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा विभाग, छ ग शासन को ज्ञापन देकर व अवर सचिव पुलक भट्टाचार्य से मुलाकत करके 5 कलेंडर वर्ष पूर्ण कर चुके व्याख्याता एल बी संवर्ग को प्राचार्य पद में पदोन्नति करने की मांग की है। पदाधिकारी ने बताया कि सामान्य प्रशासन व स्कूल शिक्षा विभाग के नियमानुसार 1 जनवरी की स्थिति में पद गणना का लेख है, जुलाई 2018 में संविलियन कर शासकीय किया गया है ऐसे में जनवरी 2019, जनवरी 2020, जनवरी 2021, जनवरी 2022 व जनवरी 2023 को मिलाकर कुल 5 कलेंडर वर्ष एल बी संवर्ग के व्याख्याता पूर्ण कर चुके है।

कबीर जयंती के अवसर पर शुष्क दिवस घोषित

धमतरी। कबीर जयंती के अवसर पर आगामी रविवार 04 जून को छत्तीसगढ़ शासन आबकारी विभाग द्वारा शुष्क दिवस घोषित करने का आदेश जारी किया गया है। उक्त आदेश के परिपालन में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री ऋतुराज रघुवंशी ने जिले में स्थित सभी देशी एवं विदेशी मदिरा की फुटकर दुकानों, होटल बार, क्लब आदि को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार उक्त तिथि को शुष्क दिवस के तौर पर घोषित करते हुए मदिरा की कोई भी दुकान, होटल, रेस्टोरेंट, क्लब आदि में मदिरा के विक्रय की अनुमति नहीं देने कहा गया है।

मुख्यमंत्री ने कुम्हारीवासियों को विकास कार्यों की दी सौगात

45.44 करोड़ के 10 विकास कार्यो का लोकार्पण और 129 करोड़ के 9 विकास कार्यो का किया भूमिपूजन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शुक्रवार को दुर्ग जिले के कुम्हारी में 174 करोड़ 45 लाख रूपए से ज्यादा की लागत के 19 कार्यो का लोकार्पण-भूमिपूजन किया। इनमें 45 करोड़ 44 लाख 66 हजार रूपए के 10 विकास कार्यो का लोकार्पण व 129 करोड़ रूपए से अधिक के 9 विकास कार्यो का भूमिपूजन शामिल हैं।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने जिन नये कार्यो का लोकार्पण किया, उनमें मुख्य रूप से 26 करोड़ 70 लाख रूपए की लागत से वार्ड क्रमांक 01 अंतर्गत बड़ा तालाब कुम्हारी का सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्य, 1 करोड़ 8 लाख 91 हजार रूपए की लागत से जंजगिरी चौक से टोल प्लाजा तक म्यूरल आर्ट, लेंड स्केपिंग एवं अन्य सौंदर्यीकरण कार्य, 35 लाख 47 हजार रूपए की लागत से डॉ. बी आर अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन में बाउंड्रीवॉल निर्माण कार्य, 50-50 लाख रूपए की लागत से महामाया उद्यान में अतिरिक्त विकास कार्य एवं मंदिर परिसर में डोम निर्माण कार्य, 31 लाख 9 हजार रूपए की लागत से कुगदा में उद्यान निर्माण कार्य, 19 लाख 50 हजार रूपए की लागत से वार्ड क्रमांक 14 में प्रेस क्लब के पास सामुदायिक भवन निर्माण कार्य, 88 लाख 52 हजार रूपए की लागत से वार्ड क्रं. 12 व 16 में विभिन्न विकास कार्य एवं 14 करोड़ 10 लाख 55 हजार रूपए की लागत से नगर पालिका परिषद् कुम्हारी क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न विकास कार्य शामिल है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल द्वारा 9 कार्यो का भूमिपूजन किया गया, जिसमें अमृत मिशन 2.0 के अंतर्गत जल प्रदाय योजना हेतु 124 करोड़ 4 लाख, बी.टी. रोड वाईंडिनिंग कार्य हेतु 3 करोड़ 31 लाख 52 हजार, वार्ड क्र. 17, 19, 23 एवं 24 में पाईप लाईन विस्तारीकरण कार्य हेतु 49 लाख 31 हजार, परसदा, कुगदा एवं जंजगिरी गौठान में कंपोस्टिंग शेड निर्माण हेतु प्रत्येक गौठान के लिए 12 लाख 38 हजार, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय कुम्हारी में 05 अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य हेतु 43 लाख 81 हजार, बीटी रोड वाईंडिनिंग कार्य हेतु 11 लाख 14 हजार एवं वार्ड क्र. 16 परसदा में बीटी रोड रेनोवेशन कार्य हेतु 24 लाख 83 हजार रूपए के कार्य शामिल हैं।

कुम्हारी स्थित बड़े तरिया के लोकार्पण के अवसर पर लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन शो में दिखी संस्कृति की झलक

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने शुक्रवार को कुम्हारी में 26 करोड़ की लागत से निर्मित बड़े तरिया का लोकार्पण किया गया। यह तरिया 18 एकड़ रकबे में विस्तृत है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर बड़े तरिया परिसर क्षेत्र के अंतर्गत लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन शो का शुभारंभ भी किया, जिसमें जीवंत लेजर की रोशनी, फाऊंटेन से छोड़े जा रहे पानी के फुहारों और मल्टी मीडिया शो के माध्यम से नगरवासियों का प्रतिदिन मनोरंजन होगा। मुख्यमंत्री ने बड़े तरिया का भ्रमण किया और इसे मेट्रो सिटी के तर्ज पर विकसित मनोरम स्थल बताया। उन्होंने परिसर के फूड स्टाल, ग्रीन वाकिंग टर्नल, टॉय ट्रेन, आर्च व सस्पेंशन ब्रिज इत्यादि का अवलोकन किया और कहा कि यह स्थल प्राकृतिक धरोहर, संस्कृति और आधुनिक अधोसंरचना का अदभुत संगम है। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन शो देखा। जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति का चित्रण शानदार तरीके से किया गया। जिसमें छत्तीसगढ़ की संस्कृति के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के खनिज और मनोरम पर्यटन स्थल का प्रदर्शन भी किया गया था। यहां मुख्यमंत्री के समक्ष विगत साढ़े 4 वर्षों में कुम्हारी नगर निगम परिषद द्वारा प्रस्तुत विकासगाथा का चित्रण भी किया गया। बड़ा तरिया में आने वाले आगंतुकों के मनोरंजन के दृष्टिकोण से प्रतिदिन संध्या 7ः30 बजे लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन शो होगा। इस मनमोहक कार्यक्रम की समय-सीमा 13 मिनट की होगी और एंट्री फीस 10 रूपए रखी गई है जो कि मूलतः एक प्रकार का मेंटनेंस चार्ज है। लेजर विथ म्यूजिकल फाऊंटेन में अलग-अलग थीम को प्रस्तुत किया जाएगा। जिसकी खासियत संगीत की धुन पर लेजर व फाऊंटेन के फहारों का नजारा होगा, जो कि उपस्थित लोगों के लिए मनमोहक होगा। बड़े तरिया के खुलने व बंद होने का समय संध्या 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक निर्धारित किया गया है।

जनपद अध्यक्ष दिनेशवरी नेताम ने जन चौपाल लगाकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

नगरी। ग्राम पंचायत कसपुर के आश्रित ग्राम वन पहाड़ियों से गिरे हुए एक छोटा सा गांव बाहलूपारा यहां की आबादी 28 परिवार निवासरत है जिनकी आबादी ढाई सौ के आसपास है। ग्राम बाहलूपारा आज भी आजादी के 75 वर्ष बाद मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। यह ग्राम जहां पानी की समस्या आवागमन के साधन सड़क पुल पुलिया शिक्षा स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव है। ग्राम बालू पारा ग्राम के वरिष्ठ मेहतर राम सोरी उम्र लगभग 85 साल के आमंत्रण पर जनपद पंचायत नगरी के अध्यक्ष दिनेश्वरी नेताम कल गुरुवार को अपने सहयोगियों जनपद उपाध्यक्ष हुमित कुमार लिमजा एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र नेताम कड़ी दोपहरी में पहुंचे।

ग्रामवासियों ने पारंपरिक स्वागत सत्कार किया और गांव में चौपाल लगाकर अपनी समस्याओं से जनपद अध्यक्ष को अवगत कराया। ग्राम वासियों ने बताया कि प्रारंभ में 9 परिवार से शुरू होकर आज ग्राम में लगभग 30 परिवार निवासरत हैं। जहां आवागमन के साधन खेत के मेंड़, नहर का पार ही है। बच्चों को स्कूल आने जाने में एवं ग्रामीणों को अपने निस्तार के लिए या जीविकोपार्जन के सामग्री लाने ले जाने के लिए इन्हीं रास्तों पर चलना होता है। उन्होंने जनपद अध्यक्ष से कुछ जगहों पर पुल पुलिया एवं आवागमन सुविधा हेतु तत्काल निर्माण कार्य स्वीकृत करने हेतु निवेदन किया। जनपद अध्यक्ष ने शीघ्र ही इन समस्याओं पर निराकरण का भरोसा दिलाया। जनपद अध्यक्ष ने ग्राम वासियों से निवेदन किया कि ग्राम की हर समस्याओं के निराकरण के लिए अब मांगने की जरूरत नहीं है। अब लड़ने का समय है लड़ने से ही समस्याओं का समाधान होता है इसके लिए हम सबको युवाओं को महिलाओं को ग्रामीणों को जागरूक रहना होगा। जनपद उपाध्यक्ष हुमित लिमजा एवं जनजाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष महेंद्र नेताम ने ग्रामीणों से नशा पान और विभिन्न कुरीतियों से दूर रहकर ग्राम की हर सुख दुख में एकजुट होकर आगे बढ़ने निवेदन किया ।

इस दौरान ग्राम के वरिष्ठ जन मेहतरराम सोरी कसपुर की सरपंच नीता मरकाम, सुखराम मरकाम-पंच देवलाल सोरी, राजू सोरी, ग्रामीण अध्यक्ष दशरू सोरी,सुखचंद सोरी, मितानीन फगेश्वरी सोरी, पिंकी सोरी आदि उपस्थित थे।

महिला प्राचार्य और दो व्याख्याताओं को निलंबित

बिलासपुर। बिलासपुर में स्कूल शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। अनियमितताओं के चलते महिला प्राचार्य और दो व्याख्याताओं को निलंबित किया गया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए गए आदेश में शासकीय हाई स्कूल बहतराई जिला बिलासपुर की प्राचार्य निशा तिवारी, व्याख्याता जितेंद्र कुमार ध्रुव, व्याख्याता अल्का सिंह को निलंबित किया गया है। जारी किए गए आदेश में बताया गया है कि स्कूल की प्राचार्य निशा तिवारी दिनांक 18.07.2022 से 25.09 2022 तक कुल 70 दिनों तक मेडिकल लीव में रही थी। उनके अवकाश में रहने के दौरान व्याख्याता एलबी श्वेता सिंह प्रभारी प्राचार्य के पद पर थी। इस दौरान स्कूल में पदस्थ व्यख्याता एलबी अल्का सिंह और व्याख्याता जितेंद्र कुमार ध्रुव ने भी छुट्टियां ले लीं। दोनों ने प्रभारी प्राचार्य अल्का सिंह को अवकाश के लिए आवेदन देने की बजाय निशा तिवारी को दे दिया और निशा तिवारी ने खुद अवकाश में रहने के बावजूद उनका छुट्टियां स्वीकृत कर दीं। बच्चों से रेडक्रॉस के नाम पर अधिक शुल्क वसूलने, शाला अनुदान की राशि को बगैर शाला विकास समिति के अनुमोदन के खर्च करने, प्रभारी प्राचार्य को स्कूल के समस्त प्रभार नहीं सौपने,रिकॉर्ड अव्यवस्थित रखने के चलते उन्हें और जितेंद्र ध्रुव और अल्का सिंह को निलंबित कर जेडी ऑफिस बिलासपुर में अटैच किया गया है।

प्रभावित भू-विस्थापितों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने किया धरना प्रदर्शन

कोरबा। एसईसीएल की कुसमुंडा परियोजना प्रबंधन ने एक दर्जन से भी अधिक गांवों के जमीन को कोयला उत्खनन के लिए अधिग्रहित किया। विस्थापन में बाद 10 से 15 साल बीत जाने के बाद भी प्रभावितों का नौकरी और मुआवजा से वंचित रखा गया है। प्रबंधन प्रत्येक भू -विस्थापितों को नौकरी प्रदान करे।

इस आशय की मांग को लेकर कुसुंडा परियोजना के प्रभावित ग्रामीणों में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। चिलचिलाती धूप में भी ग्रामीण अपनी 18 सूत्रीय मांगों को मनवाने के लिए कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर डंटे। लगभग 500 की संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने आधे घंटे तक सड़क जाम रखा। ग्रामीणों के प्रदर्शन से आवागमन बाधित रही। ग्रामीणों ने जिन 18 सूत्रीय मांगों का उल्लेख किया है उनमें कोल इंडिया की पालिसी 2012 को रद्द करने की मांग की गई। प्रत्येक गांव के खातेदारों को नौकरी देने मांग सर्वोपरि है। ग्राम जटराज में डंपिंग यार्ड से पट चुके खेतों के प्रभावितों को पुनर्वास नीति के तहत रोजगार प्रदान किया जाए। ग्राम रिसदी, खोडरी, पड़निया सोनपुरी आदि की भूमि का मुआवजा वर्तमान दर 2022-23 के अनुसार दिया जाए। बसाहट के लिए न्यूनतम 15 डिसमिल भूमि प्रदान किया जाए। बसाहट पूरा होने व रोजगार मिलने के बाद ही मुआवजा दिया जाए ताकि राशि का प्रभावित सदुपयोग कर सकें। प्रभावितों ने कहा कि जब तक उनकी मांग पूरी नहीं होगी उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। पुलिस प्रशासन की ओर से प्रदर्शनकारियों को समझाइस दी जाती रही। आधे घंटे से भी अधिक समय तक प्रदर्शन के बाद भू-विस्थापितों ज्ञापन पत्र अपर कलेक्टर को सौंपा।

5 आबंटित राशन दुकान को निरस्त करने की मांग को लेकर उग्र आंदोलन करेगी जनमुक्ति मोर्चा

- शराब, सट्टा व अवैध व्यापार में संलिप्तता व संरक्षण देना बंद करे सत्तापक्ष के लोग - जीत गुहा

दल्लीराजहरा। जन मुक्ति मोर्चा छत्तीसगढ़ अध्यक्ष जीत गुहा नियोगी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर सत्ता पक्ष से जुड़े लोगों को जनहित में काम करने की नसीहत देते हुए कहा की वे शराब, सट्टा, दल्लीराजहरा में 5 राशन दुकान आबंटन में घोटालेबाजी के साथ अवैध व्यवसाय व उससे जुड़े हुए लोगो में संलिप्तता व संरक्षण देना छोड़ दे वरना जनमुक्ति मोर्चा के साथी सड़क में उतर उग्र आंदोलन करेंगे। दल्ली राजहरा में जनता के नेता के बजाये पार्टी द्वारा स्थापित नेताओ द्वारा राजहरा नगर निरीक्षक (टी.आई) के लगातर स्थानातरण कि मांग किया जा रहा है, कारण अस्पष्ट है, वही दूसरी ओर राशन दुकान आबंटन में स्पष्ट घोटला नजर आने के बाद भी पार्टी द्वारा पोषित ये नेता घोटाले में संलिप्त भ्रष्ट अधिकारीयों के लिए ना कानूनी कार्यवाही, निलंबन के मांग करने में चुप्पी साधे बैठे है। जीत गुहा नियोगी ने कहा की राजहरा नगर में सट्टा शराब अवैध उगाही से कई नेताओ कि राजनीति व घर चलता है, लगातार नगर निरीक्षक (टी.आई) द्वारा ऐसे गैर कानूनी गतिविधियों पर ताबड़तोड़ कार्यवाही से राजहरा के अपराधी जेल में है जिससे कि राजहरा में अपराध की कमी व शांति कायम है। यदि कांग्रेस की शासन में सभी पुलिस या अधिकारी के स्थानातरण शासन के बजाय कतिपय नेताओ के भरोसे पर होता होगा तो ये आम जनता से विश्वासघात व प्रशासन में बैठे अधिकारीयों के अधिकार को समझा जा सकता है। रसूखदार लोगों के दबाव में पुलिस अधिकारीयों पर बढ़ने से आम जनता के उपर अन्याय व पुलिस से न्याय की उम्मीद नही किया जा सकता, जो पुलिस के कार्य में दखल देते है या शहर में अपना रुतबा के लिए पुलिस अधिकारीयों के बेवजह स्थानातरण की मांग करते है तो पुलिस अधिकारी व पुलिस थाना का कोई औचित्य नही है, जिले के बड़े अधिकारीयों को तय करना चाहिए। वही दुसरे ओर दल्ली राजहरा में राशन दुकान आबंटन में कथित भ्रष्टाचार, लुके छिपे ढंग से बिना पारदर्शिता के अपने चाहते लोगो को आबंटन कर दिया गया है।आम जनता के द्वारा इस घोटाले में उच्च स्तरीय जाँच करने व इस आबंटन को निरस्त करने तथा भ्रष्टाचार में संलिप्त अधिकारीयों, जनप्रतिनिधियों पर कानूनी कार्यवाही कर गिरफ्तार की मांग को न अधिकारी सुन रहे है और वही नगर निरीक्षक के स्थानातरण की आवाज उठाने वाले नेता, आश्चर्यजनक ढंग से चुप्पी साध लिए है। इन दोनों मुद्दों पर शासन प्रशासन अपना मत स्पष्ट नही करते तो जन मुक्ति मोर्चा शीघ्र ही सड़क की लड़ाई लड़ेगी और उग्र आंदोलन करेगी।

अगले 25 दिन के लिए मोहारा एनीकट में पर्याप्त पानी, बारिश आने तक नहीं होगी किल्लत

- गेट खोलने से हुआ था 9 कोड़ लीटर पानी बर्बाद

राजनांदगांव। पिछले दिनों मोहारा एनीकट के गेट खोलकर 9 करोड़ लीटर पानी बर्बाद होने के कारण लोगों में चिंता व्याप्त हो गया था लेकिन अब उनकी यह दूर हो गई है क्योंकि शिवनाथ नदी के दो प्रमुख एनीकट मोखली-आरी और मोंगरा बैराज में भरपूर पानी मौजूद है। 25 दिन के लिए शहरवासियों को पानी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा।

मोहारा एनीकट से रेत तस्करों के करतूतों के कारण लगभग 8 से 10 इंच पानी बहा दिया गया। इस घटना को लेकर शहर में तीखी प्रतिक्रिया है। शहर का एक बड़ा तबका पानी के लिए तरस रहा है। ऐसे दौर में तस्करों ने दादागिरी करते हुए 90 हजार क्यूबिक मीटर पानी को रिलीज कर दिया। इस पानी की मात्रा लगभग 9 करोड़ लीटर थी। जिससे शहर का कम से कम 3 दिन प्यास बुझाया जा सकता था।

इधर एनीकट में पानी की कमी होते ही पेयजल संकट की आशंका बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि जल संसाधन विभाग ने आने वाले समय में पानी की किल्लत के मद्देनजर मोखली और आरी एनीकट में पानी का भराव किया हुआ है। इन दोनों एनीकट से अगले 25 दिन तक शहर को पानी की आपूर्ति आसानी से की जा सकती है। बारिश प्रारंभ होने से पहले इन दोनों एनीकट के पानी का सदुपयोग शहर के लिए किया जाएगा। बताया जा रहा है कि मोहारा एनीकट में पानी को छोडऩे वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होने के आसार हैं। जल संसाधन विभाग ने पूरे प्रकरण को लेकर रिपोर्ट भी दर्ज कराई है।

इस संबंध में विभाग के ईई जीडी रामटेके ने बताया कि पानी की समस्या कतई नहीं होगी। आरी और मोखली एनीकट में पर्याप्त मात्रा में पानी रिजर्व रखा गया है। उधर मोंगरा बैराज में भी भरपूर पानी होने से शहर को आपातकालीन स्थिति में कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़ेगा। मोंगरा जलाशय में लगभग 5 एमसीएम पानी भरा हुआ है। मोंगरा में 50 करोड़ क्यूबिक मीटर पानी होने से आने वाले दिनों में जरूरत पडऩे पर विभाग पानी की मांग कर सकता है।

आदिवासियों के महानायकों की जन्मस्थलियों से निकलेगी पुरखौती सम्मान यात्रा

- छत्तीसगढ़ भाजपा की खास रणनीति

रायपुर। छत्तीसगढ़ बीजेपी आदिवासी और पिछड़ों को साधने के लिए एक खास रणनीति के तहत प्रदेशभर में जल्द ही विशाल कार्यक्रम करने जा रही है। इसकी रणनीति बीजेपी अनुसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक बनाई गई। इसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। संगठन के केंद्रीय नेताओं ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एक ऐसा ब्लू प्रिंट तैयार किया है, जिससे बीजेपी के प्रति लोगों भरोसा बढ़ें और विधानसभा चुनाव में पार्टी ज्यादा से ज्यादा सीट ला सके। विशेषकर बस्तर संभाग पर ज्यादा फोकस किया जा रहा है। 9 जून को भगवान बिरसा मुंडा बलिदान दिवस पर प्रदेश के सभी मंडलों में कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है। आदिवासी महानायकों जैसे- शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गुंडाधुर, शहीद गेंदसिंह सिंह जैसे महान बलिदानियों के जन्मस्थली से जिला मुख्यालयों तक पुरखौती सम्मान यात्रा निकाली जाएगी।

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा
छत्तीसगढ़ प्रदेश
प्रदेश कार्यसमिति बैठक
दिनांक: 2 जून 2023, रायपुर
75 आज़ादी का अमृत महोत्सव

प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि पार्टी अपने जनसंपर्क अभियान के जरिए गांव- गांव तक पहुंचेगी। भाजपा के केंद्र सरकार के सुशासन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास कार्यों एवं भूपेश सरकार के नाकामियों को गिनाएगी। छत्तीसगढ़ के हर व्यक्ति से जुड़ने का प्रयास करेगी। पुरखौती सम्मान यात्रा के जरिए अनुसूचित जनजाति मोर्चा की ओर से आदिवासी महानायकों जैसे- शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गुंडाधुर, शहीद गेंदसिंह सिंह जैसे महान बलिदानियों के जन्मस्थली से जिला मुख्यालयों तक यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा के जरिए आदिवासी गौरव के प्रतीक पुरुषों के प्रति सम्मान व्यक्त किया जायेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय संगठक व्ही. सतीश ने केंद्र में मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने पर अजजा मोर्चा की ओर से लाभार्थी संपर्क, 9 जून को भगवान बिरसा मुंडा बलिदान दिवस पर प्रदेश के सभी मंडलों में कार्यक्रम आयोजित करने, आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा एवं अजजा जनप्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित करने का निर्देश देते हुए पूरे कार्यक्रम की योजना बनवाई। इस बैठक में भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, भाजपा आज मोर्चा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामविचार नेताम, पूर्व मंत्री एवम् विधायक ननकी राम कंवर, भाजपा प्रदेश महामंत्री केदार कश्यप, अजजा मोर्चा प्रभारी महेश गागड़ा, अजजा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष विकास मरकाम ने भी संबोधित किया।

कही-सुनी

रवि भोई

छत्तीसगढ़ के बदलते राजनीतिक समीकरण

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत की बढ़ती निकटता को छत्तीसगढ़ के बदलते राजनीतिक समीकरण के रूप में देखा जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और विधानसभा अध्यक्ष चरणदास महंत कई कार्यक्रमों में साथ-साथ नजर आए। कहते हैं 20 मई को पाटन में आयोजित भरोसे के सम्मेलन में चरणदास महंत ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की खूब तारीफ़ भी की। इसके अलावा कोरबा और बस्तर के कुछ कार्यक्रमों में भी भूपेश बघेल और चरणदास महंत एक मंच पर नजर आए। 2 जून की रात मंत्री मोहम्मद अकबर के बंगले पर आयोजित दावत में मुख्यमंत्री के साथ विधानसभा अध्यक्ष की मौजूदगी को नए राजनीतिक नजरिए से देखा जा रहा है। 2018 में मुख्यमंत्री की दौड़ में शामिल चरणदास महंत भले भूपेश बघेल से पीछे रह गए, पर दोनों ने सुर-ताल बिगड़ने नहीं दिया। कहा जाता है कि प्रदेश अध्यक्ष रहते महंत ने 2013 में भूपेश बघेल को समन्वय समिति का अध्यक्ष बनवाया था। फिर महंत ने लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी छोड़ी तो भूपेश बघेल उनके उत्तराधिकारी बने।

भाजपा के दिग्गज दरकिनार

प्रदेश भाजपा ने 11 लोकसभा और 90 विधानसभा क्षेत्रों में 30 मई से 30 जून तक आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए किसी दिग्गज नेता को कोई जिम्मेदारी नहीं सौंपी है। 2003 से 2018 तक पावर में रहने वालों के नाम भी नदारद हैं। चुनावी साल में मोदी सरकार की उपलब्धियों के गुणगान वाले कार्यक्रमों में राज्य के बड़े नेताओं को दूर रखने के अलग-अलग मायने लगाए जा रहे हैं। कहा जा रहा है कि 2023 के चुनाव में बड़े चेहरे गायब होने का यह संकेत हैं या फिर छत्तीसगढ़ में मार्गदर्शक मंडल बनाने की तैयारी है। एक महीने के कार्यक्रम में न तो डॉ रमन सिंह को आगे किया गया है और न ही बृजमोहन अग्रवाल को। राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडे भी पूरे एपिसोड से गायब हैं। प्रदेश अध्यक्ष रहे विष्णु देव साय और विक्रम उसेंडी को भी दूर रखा गया है। आदिवासी नेता रामविचार नेताम और ननकीराम कंवर भी कार्यक्रम के हिस्सा नहीं हैं। सालों तक प्रदेश भाजपा का कोष संभालने और भरने वाले गौरीशंकर अग्रवाल का भी नाम नहीं है, सक्रिय विधायक अजय चंद्राकर को भी कोई जिम्मेदारी नहीं दी गई है। वहीं बसपा से भाजपा में आए नेता और विधायक सौरभ सिंह को आयोजन में बड़ी जिम्मेदारी देने से पार्टी का एक वर्ग खफा हो गया है।

ठौर की तलाश में अमित जोगी

सिर से पिता का साया उठने के बाद पुत्र के सामने चुनौतियों का पहाड़ खड़ा हो जाता है, ऐसा ही कुछ इन दिनों अमित जोगी के साथ दिखाई पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी के पुत्र और छत्तीसगढ़ जनता कांग्रेस (जोगी) के नेता अमित जोगी के लिए आगे की राह भारी उबड़-खाबड़ हो गई है। रायपुर के कलेक्टर से लेकर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री तक अजीत जोगी का अपना एक अलग प्रभाव था, पर अमित के साथ ऐसा नहीं है। अमित की विधायक मां डॉ. रेणु जोगी भी अस्वस्थ रहने लगी हैं। जोगी कांग्रेस के शुरूआती दिनों में आधार स्तंभ रहे विधायक धर्मजीत सिंह पार्टी से निलंबित हैं। एक अन्य विधायक प्रमोद शर्मा भी दरकिनार हैं। अमित जोगी ने अपने और अपनी पार्टी की आगे की राह के लिए जनता से राय मांगी है। अब देखते हैं जनता क्या राय देती है और अमित क्या फैसला लेते हैं। फिलहाल तो लग रहा है कि अमित जोगी भटकाव के दौर से गुजर रहे हैं। कहते हैं तेलंगाना के मुख्यमंत्री और भारत राष्ट्र समिति के प्रमुख के. चंद्रशेखर राव से मुलाक़ात कर अमित जोगी ने आगे की संभावना को तलाशा। चर्चा है कि अमित जोगी आम आदमी पार्टी से भी संपर्क कर चुके हैं। अमित जोगी के कांग्रेस और भाजपा में जाने की ख़बरें भी उड़ती रहती है। कहा जा रहा है कि अमित 2023 के विधानसभा चुनाव के लिए तीसरा मोर्चा बनाने पर भी काम कर रहे हैं।

विधायक जी की 'बकरा पार्टी '

छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव को अब करीब छह महीने बचे हैं। विधायक और विधायक के दावेदार लोग अभी से वाल पेंटिंग शुरू करवा दिया है। ऐसा करने वाले भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों से जुड़े लोग है। अब वाल पेंटिंग कराने वालों को पार्टी उम्मीदवार बनाती है या नहीं यह अलग बात है। कहते हैं राज्य के एक विधायक ने 2023 में जीत के लिए पिछले दिनों अपने विधानसभा में %बकरा पार्टी % दी। 2018 में पहली बार विधायकी का ताज पहने नेताजी को ताज ऐसा भा गया है कि अब वे उसे उतारना नहीं चाहते। इसके लिए उन्होंने लोगों को दावतें देना शुरू कर दिया। पर विधायक जी की दावत से लौट रहे एक जनप्रतिनिधि की दुर्घटना में मौत के कारण लोगों का उत्साह गम में बदल गया।

भाजपा के वोट बैंक पर सेंध की रणनीति

राम वन गमन, कौशल्या धाम के बाद अब सरकारी स्तर पर रामायण के आयोजन की तैयारी को भाजपा के वोट बैंक पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सेंध की रणनीति के तौर देखा जा रहा है। गाय , गोबर और गोमूत्र से लेकर राज्य में भगवान श्रीराम से जुड़े प्रसंगों से जनता को जोड़कर भूपेश बघेल ने भाजपा के मुद्दों को छीनने में लग गए हैं। भूपेश बघेल की चाल का कांग्रेस को 2023 के चुनाव में कितना फायदा मिलता है, यह तो समय बताएगा, पर लोगों को रामायण जैसे आयोजनों से नया अनुभव हो रहा है और देखने के लिए भीड़ उमड़ रही है। कहते हैं रायगढ़ के आयोजन में भारी मारामारी रही। ग्राउंड ही छोटा पड़ गया।

बम नहीं फोड़ पाई भाजपा

महीनों की मेहनत के बाद भाजपा ने पिछले दिनों चार सौ से अधिक लोगों को पार्टी में प्रवेश कराया ,लेकिन कोई दमदार नेता कांग्रेस से टूटकर भाजपा में नहीं आया। रिटायर्ड आईएएस अधिकारी आरपीएस त्यागी कांग्रेस छोड़कर भाजपा तो आए , पर वे जनाधार वाले नेता नहीं हैं। पद्मश्री अनुज शर्मा और राधेश्याम बारले कलाकार हैं। कहा जा रहा है कलाकार भीड़ जुटा सकते हैं,पर उसे वोट में तब्दील कर पाएंगे, इसकी संभावना कम है। नंदकुमार साय प्रदेश की राजनीति में एक बड़ा नाम है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने साय को कांग्रेस में शामिल कराकर भाजपा को जो झटका दिया है, वह इस अभियान से तो बराबर नहीं हुआ।

वर्दी की गर्मी

वर्दी की गर्मी ही ऐसी है कि उसमें उबाल आ ही जाता है। भले समय और अनुभव के साथ वर्दी की गर्मी कम हो जाती। वर्दी की गर्मी की वजह से रायगढ़ के रामायण महोत्सव में एक नए नवेले आईपीएस ने नौजवान पत्रकार को पुलिसिया रौब दिखा दिया। फिर क्या था 45 डिग्री से अधिक तापमान का रिकार्ड बनाने वाले रायगढ़ शहर में पत्रकारों का पारा चढ़ गया। कलेक्टर और एसपी ने मामला शांत किया। कहते हैं प्रशिक्षु आईपीएस ने पत्रकारों को सॉरी भी कहा। प्रशिक्षु आईपीएस को वहां की ड्यूटी से भी हटा दिया, पर सवाल उठता है कि नए नवेले आईपीएस उबल क्यों पड़ते हैं। कुछ महीने रायपुर में भी एक नए आईपीएस ने भाजयुमो के नेता से अभद्रता कर दी थी। बाद में उन्हें भी माफ़ी मांगनी पड़ी थी। नए अफसरों को समझना होगा वे आम नहीं खास हो गए हैं , ऐसे में उनके आचार-व्यवहार और बोली में भी खास का अहसास होना चाहिए। केवल वर्दी की गर्मी से मान नहीं बढ़ेगा। मान तो दूसरों को सम्मान देने से बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री ने केलो नदी के संरक्षण पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज सर्किट हाउस रायगढ़ में विभिन्न सामाजिक प्रतिनिधिमंडलों से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री बघेल ने रायगढ़ की जीवन रेखा मानी जाने वाली केलो नदी के संरक्षण पर आधारित पुस्तिका 'केलो मईय्या' का विमोचन किया। प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री बघेल ने माली समाज की मांग पर उन्हें भवन के लिए 30 लाख रूपए देने की घोषणा की। इस अवसर पर वत्सल अग्रवाल ने मुख्यमंत्री श्री बघेल को उनका स्कैच भेंट किया। क्षत्रिय राजपूत समाज, चौहान समाज, देवांगन समाज सहित कई समाज के प्रतिनिधियों ने भेंट की।

डॉ स्नेहलता पाठक की दो पुस्तकों का आज विमोचन

रायपुर। छत्तीसगढ़ राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के बैनर तले सुप्रसिद्ध लेखिका और व्यंग्यकार डॉ स्नेहलता पाठक की दो पुस्तकों का विमोचन 4 जून रविवार को सायं 5 बजे से सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हाल में संपन्न होगा।

यातायात नियमों की जानकारी दे पालन करने की समझाईश दी वाहन चालकों को

रायपुर। मंदिर हसौद स्थिति हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड के पास शिविर लगा वहां मौजूद वाहन चालकों को यातायात के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से बीते कल शुक्रवार को यातायात विभाग व मंदिर हसौद थाना द्वारा संयुक्त रूप से यातायात नियमों की जानकारी दे उन्हें ?इसका कड़ाई से पालन करने की समझाईश दी गयी । इस शिविर में कंपनी के करीबन सौ ड्राइवर मौजूद थे जिन्होंने इस शिविर का लाभ उठाया व यातायात नियमों का? पालन करने का आश्वासन दिया । इस जागरूकता शिविर को मंदिर हसौद थाना प्रभारी विरेन्द्र चंद्रा , गोबरा नवापारा थाना प्रभारी सत्येन्द्र श्याम व यातायात विभाग से पहुंचे ए एस आई श्री भोई ने संबोधित करते हुये यातायात नियमों की विस्तृत जानकारी दी व पालन न करने पर होने वाले कानूनी कार्यवाही की जानकारी दी ।

न्यायमूर्ति प्रशांत मिश्रा का अधिवक्ता संघ ने किया सम्मान

रायपुर। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त हुए माननीय न्यायमूर्ति प्रशांत मिश्रा शनिवार को रायपुर पहुंचे। रायपुर अधिवक्ता संघ के आग्रह और निवेदन पर वे जिला न्यायालय पहुंचे, जहां न्यायालय परिसर में अधिवक्ता संघ की ओर से उनका सम्मान व स्वागत वरिष्ठ अधिवक्ता केके शुक्ला और फैजल रिजवी ने किया। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अन्य सभी सदस्यगण उपस्थित थे।

जनमंच में हुआ नाटक एक लड़की पांच दीवाने का मंचन

रायपुर। छत्तीसगढ़ फिल्म एंड विजुअल आर्ट सोसायटी की ओर से शनिवार को नाटक एक लड़की पांच दीवाने का मंचन जनमंच सड्डू, रायपुर में किया गया। हरिशंकर परसाई की व्यंग्य कथा पर आधारित इस नाटक का नाट्य निर्देशन सुप्रसिद्ध नाट्य निर्देशिका श्रीमती रचना मिश्रा ने किया है।

हरिशंकर परसाई अपने वक्त से बहुत आगे की बात बेहद चुटीले अंदाज में लिखते थे। इस नाटक में एक लड़की है और उसके पांच दीवाने हैं। करीब पांच दशक पहले लिखी इस कथा की नायिका अपने सभी दीवानों के मन में प्यार का भ्रम पैदा करती है, लेकिन जब जीवन साथी चुनने की बारी आती है तो आज की आधुनिक युवती की तरह ही उस शख्स का चुनाव करती है जो जिंदगी में सैटल है। परसाई की इस कहानी को रचना मिश्रा के निर्देशन में उनके सहयोगियों ने बेहद ही शानदार ढंग से प्रस्तुत किया।

पांच लड़की एक दीवाने यह नाटक वर्तमान समय के प्रेम की दास्तां को दर्शाता है। नाटक एक ओर दर्शकों को गुदगुदाता है, साथ ही यह संदेश देता है कि लड़कियां लड़कों की चापलूसी से नहीं उनकी काबिलियत से प्रभावित होती हैं। जिस प्रकार वर्तमान में लड़कियों का ध्यान अपनी ओर खींचने के लिए आजकल लड़के अजीबोगरीब हरकतें करते हैं। हाल यह होता है कि एक लड़की के कई दीवाने होते हैं और ये दीवाने अपने मन में प्रेमिका मान बैठे लड़की को इंप्रेस करने के लिए हर मुमकिन प्रयास करते हैं। यही दिखाया गया नाटक %एक लड़की पांच दीवाने में'।

छत्तीसगढ़/राजधानी
प्रमुख समाचार

ओडिशा के बालेश्वर में हुई रेल दुर्घटना में रेल मंत्रालय की घोर लापरवाही दिख रही है

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने उड़ीसा के बालेश्वर जिले में शुक्रवार को हुई रेल दुर्घटना बेहद दुखद है इस हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है उनके प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए एवं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए कहा कि ओडिशा के बालेश्वर में हुई रेल दुर्घटना रेल मंत्रालय की घोर लापरवाही दिख रही है। एक ही ट्रैक में दो ट्रेनों के आने के चलते गंभीर रेल हादसा हुआ है और हादसा के 1 घंटे बाद तीसरी ट्रेन का उसी स्थान पर आना और, एक और दुर्घटना होना रेल मंत्रालय की घोर लापरवाही को दिखता है। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को रेल मंत्रालय के द्वारा बरती गई लापरवाही गैर जिम्मेदाराना रवैया की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। यह बेहद गंभीर मसला है और इस पूरे हादसे की बारीकी से जांच होनी चाहिए और जितने भी लोग इस घटना के लिए दोषी है उन सब पर भी कड़ी कार्यवाही होनी चाहिए।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछे जो रेल के लिए कवच बनाया गया था जिसमें दावा किया गया था कि 2 ट्रेनें अगर आमने सामने होगी तो कवच उसकी सुरक्षा करेगी वह कवच कहां है? क्या आम जनता को भरमाने के लिए ही इस प्रकार से दावा किया गया।

रेल हादसे में मृतात्माओ को भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

भारतीय जनता पार्टी, जिला रायपुर
भावपूर्ण श्रद्धांजलि

रायपुर। ओडिशा के बालेश्वर जिले में दर्दनाक रेल हादसा हुआ जिसमे सैकड़ो लोगो इस हादसे में हताहत हुए पूरा देश इस दर्दनाक दुर्घटना से स्तब्ध है भाजपा रायपुर शहर जिला ने वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल एवं अध्यक्ष जयंती पटेल की की अगुवाई में रायपुर के हृदय स्थल जयस्तंभ चौक पर दिप जलाकर माल्यार्पण किया एवं मृतात्माओ की शांति हेतु मौन धारण किया । मिली जानकारी के मुताबिक, बाहानगा स्टेशन के निकट शुक्रवार शाम करीब सात बजकर 20 मिनट पर हावड़ा-शालीमार एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिससे 288 लोगों की मौत हो गई , बालासोर में रेस्क्यू ऑपरेशन खत्म हो चूका है हादसे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी ओड़िसा पहुँचे मोदी बोले की दोषियों को नहीं बख्शेंगे । इस हादसे में 288 लोगों की मौत हो गई। फिलहाल, राहत एवं बचाव कार्य जारी है।जयस्तंभ चौक पर श्रद्धांजलि देने पहुँचे वरिष्ठ विधायक पूर्व मंत्री ने कहा कि यह घटना बेहद पीड़ादायी और झकझोर देने वाली है सैकड़ो परिवारों में शोक पसरा हुआ है निश्चित रूप से इस घटना की उच्चस्तरीय जाँच होनी चाहिए।

भाजपा सत्ता में थी तब भगवान बिरसा मूंडा

रायपुर। भाजपा के पुरखौती सम्मान यात्रा और जनसंपर्क अभियान को चुनावी अभियान बताते हुये प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा की आदिवासी पुरखौती सम्मान यात्रा और जनसंपर्क अभियान चुनावी अभियान है ये कभी भी छत्तीसगढ़ के पुरखो का सम्मान नही कर सकते। 15 साल के रमन सरकार के दौरान भाजपा को बस दीनदयाल उपाध्याय और श्यामा प्रसाद मुखर्जी याद आते थे। उनके नाम से योजनाएं बनती थी, बिल्डिंग सड़के बनती थी लेकिन छत्तीसगढ़ के पुरखों की याद इनको नही आती थी। आज भाजपा को जब पता चला की प्रदेश का बहुसंख्यक आदिवासी वर्ग भाजपा से बेहद खफा और आक्रोशित है तब विधानसभा और लोकसभा के चुनाव में आदिवासियों की नाराजगी से होने वाली नुकसान को देखते हुये भाजपा को छत्तीसगढ़ के पुरखों की सम्मान की याद आई है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा को प्रदेश के आदिवासी समाज को बताना चाहिए कि उन्होंने 15 साल में छत्तीसगढ़ के माटी पुत्र आदिवासी रत्न छत्तीसगढ़ के गौरव भगवान बिरसा मुंडा, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गुंडाधुर, शहीद गेंद सिंह सहित अनेक महान बलिदानियों को सम्मान क्यों नहीं दिया? उनके लिए 15 साल में क्या किया।

प्रधानमंत्री मोदी ईडी पर लगे आरोपों का सार्वजनिक जवाब दें : सुशील आनंद शुक्ला

रायपुर। मुख्यमंत्री और सरकार की छवि खराब करने ईडी कर रही षडयंत्र। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ईडी द्वारा गिरफ्तार व्यवसायी अनवर ढेबर के बाद ईडी द्वारा गिरफ्तार किये गये अधिकारी एपी त्रिपाठी ने भी अदालत से कहा कि ईडी छत्तीसगढ़ और झारखंड के मुख्यमंत्री तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के बेटे का नाम का नाम लेने के लिये दबाव बना रही है। एक अन्य आरोपी पप्पू ढिल्लन ने भी अदालत में आवेदन देकर इसी प्रकार की बात कही है कि ईडी मुझ पर मुख्यमंत्री के बेटे का नाम लेने दबाव बना रही है। ईडी पर लगे यह आरोप बेहद ही गंभीर है। इन आरोपियों के द्वारा अदालत में किया गया खुलासा इस बात का प्रणाम है कि भाजपा की केन्द्र सरकार ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और उनकी सरकार को बदनाम करने परेशान करने की नीयत से ईडी को भेजकर गलत छापेमारी की कार्यवाही करवाई गयी है। छत्तीसगढ़ में ईडी की कार्यवाही शुरू से संदिग्ध रही है पहले भी अनेक व्यपारियों, अधिकारियों ने ईडी पर प्रताड़ना और जबरिया हस्ताक्षर का आरोप लगाया है तथा ईडी की कार्यप्रणाली से यह आरोप लगते रहा है कि ईडी भाजपा के राजनैतिक उद्देश्यो को पूरा करने के लिये ईडी का दुरूपयोग कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों के खुलासे प्रजातंत्र के लिये घातक है।

राजनीति बंद कर कर्मा परिवार को न्याय दिलायें मुख्यमंत्री : अरुण साव

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने जगदलपुर के कांग्रेस सम्मेलन में मुख्यमंत्री के स्व. महेन्द्र कर्मा को याद कर कथित भावुक होने के प्रसंग का हवाला देते हुए कहा है कि यदि उनमें स्व. महेन्द्र कर्मा के प्रति सम्मान और संवेदना है तो उन्हें कर्मा परिवार के उस आग्रह को तुरंत मानना चाहिए, जिसमें स्व. कर्मा के पुत्र छबीन्द्र कर्मा ने प्रदेश के मौजूदा मंत्री और झीरम नरसंहार के चश्मदीद कवासी लखमा का नार्को टेस्ट कराने की मांग की थी। शहीद महेंद्र कर्मा को याद करके मुख्यमंत्री बघेल झीरम घाटी नरसंहार के दोषियों को सीखचों में कैद कराने के लिए ठोस पहल करें। स्व. महेन्द्र कर्मा 'बस्तर टाइगर' कहे जाते थे और छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के विरुद्ध उनका जज्बा लोगों को उत्साह से भर देता था। ऐसे जांबाज नेता की याद में आंखें नम होना स्वाभाविक है, लेकिन अपनी जेब में रखे सबूतों और तथ्यों को सार्वजनिक करके झीरम मामले की जाँच को निर्णायक बिन्दु तक पहुँचाने में सहयोग करेंगे तो यह स्व. कर्मा और झीरम के शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री बघेल इस दिशा में ठोस पहल करके झीरम के कातिलों को सजा दिलाएं।स्व. कर्मा के लिए आँसू बहा रहे मुख्यमंत्री बघेल ने झीरम घाटी के नरसंहार के बाद वहां से सकुशल लौटने वाले कवासी लखमा को तो अपनी आँखों का तारा बना रखा है।

संघ प्रशिक्षण वर्ग संघ स्थापना के कुछ वर्षों बाद से ही चल रहे हैं: दिनेश

रायपुर। राष्ट्र सेवा ,समाज सेवा और विश्व कल्याण की भावना के साथ-साथ ,कड़े अनुशासन एवं विषम परिस्थितियों में भी सकारात्मक होने सहित व्यक्तित्व निर्माण की अनगिनत शिक्षा के साथ , राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बसना के सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में स्वयंसेवकों के प्रथम वर्ष विशेष का समापन 1 जून 2023 दिन गुरुवार को दीक्षांत समारोह के बाद किया गया !

17 मई 2023 से प्रारंभ हुए प्रथम वर्ष विशेष में 40 से 67 वर्ष के 122 शिक्षार्थियों के साथ 25 शिक्षक ,व्यवस्था प्रबंधन संचालन टोली के 50 सदस्यों के साथ-साथ वर्ग अधिकारी के रूप में श्री विजय शंकर पटनायक उपस्थित रहे. हुए शिक्षार्थि समाज के विभिन्न वर्गों से थे,जैसे डॉक्टर, शिक्षक, अधिवक्ता, इंजीनियर, समाज सुधारक, व्यवसायी, कृषक, सभी शामिल थे ,इस वर्ग में छत्तीसगढ़ प्रान्त के सभी विभागों से शिक्षार्थि सामिल थे ,वर्ग के प्रतिदिन शिक्षार्थियों की दिनचर्या सुबह 4.00 बजे जागरण के साथ प्रारंभ होती थी ,उसके बाद 5 बजे एकात्मता स्तोत्रम् 5.40 से 6.50 तक संघ स्थान 6.50 से 7.35 तक योग शिक्षा ,उसके बाद चर्चा सत्र, फिर संवाद सत्र उसके बाद भोजन, आराम फिर अभ्यास सत्र, बौद्धिक सत्र, संध्या संघ स्थान, स्वाध्याय, भोजन, रात्रि कालीन कार्यक्रम उसके बाद दीप निर्माण, अर्थात सोने के लिए जाना ।वर्ग स्थान पर प्रशिक्षण एवं संघ दर्शन में आने वाले लोगों के लिए प्रदर्शनी कक्ष का निर्माण किया गया था, जिसमें आरएसएस के प्रचारक, जिन्होंने संघ के लिए अपना सर्वस्व दे दिया एवं राष्ट्र सेवा में लगे रहे ,पर्यावरण से संबंधित चित्र ,आजाद भारत के महान वैज्ञानिक जिन्होंने भारत के उत्थान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ऐसे सभी लोगों के चित्र एवं विवरण दिए गए थे , तथा हिन्दू जीवन दर्शन के शास्त्र ,साहित्य,एवं धर्मग्रंथ रखे गये थे। 15 दिन के इस संघ शिक्षावर्ग में रोज अलग अलग प्रचारकों तथा चिंतको द्वारा समाज के विभिन विषयों को लेकर संवाद तथा बौद्धिक होता था जिसमे ,नागरिक कर्तव्य , सामाजिक समरसता, सेवा कार्य ,देश के सर्वांगीण विकास आदि विषयों के ऊपर चर्चा होती थी,समाज के हर वर्ग के गणमान्य नागरिकों एवं बुद्धिजीवियों का वर्ग दर्शन के लिए आगमन हुआ वर्ग के उद्घाटन सत्र राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक श्री प्रेम शंकर जी एवं समापन में अखिल भारतीय ग्राम विकास प्रमुख श्री दिनेश जी उपस्थित थे संपूर्ण वर्ग दिवस में अखिल भारतीय अधिकारियों का आगमन हुआ. समापन बौद्धिक की शुरुवात गीत - हम विजय की ओर बढ़ते जा रहे हैं से हुआ बौद्धिक में दिनेश जी ने बताया कि संघ प्रशिक्षण वर्ग संघ स्थापना के कुछ वर्षों बाद से ही चल रहे हैं ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कल शान्ति सरोवर में पर्यावरण महोत्सव

- **विश्व पर्यावरण दिवस पर कल शान्ति सरोवर में पर्यावरण महोत्सव**

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के ग्राम विकास प्रभाग की ओर से विश्व पर्यावरण महोत्सव के अन्तर्गत रविवार 4 जून को सुबह 10 बजे विधानसभा रोड स्थित शान्ति सरोवर में पर्यावरण महोत्सव मनाया जाएगा। विषय होगा- पर्यावरण सरंक्षण और हमारा दायित्व।

पर्यावरण महोत्सव के मुख्य अतिथि वन विभाग के सचिव प्रेम कुमार होंगे। विशिष्ट अतिथि छ.ग. विज्ञान व प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक एस.एस. बजाज और प्रधान मुख्य वन सरंक्षक सुधीर अग्रवाल होंगे। समारोह की अध्यक्षता रायपुर केन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी करेंगी। प्रमुख उद्बोधन ब्रह्माकुमारी रूचिका दीदी का होगा। इस अवसर पर वन और जल सरंक्षण के उपायों पर चर्चा करने के साथ ही शान्ति सरोवर परिसर में वृक्षारोपण भी किया जाएगा। पर्यावरण दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारी संगठन पूरे देश में जन आन्दोलन के रूप में पौधारोपण के लिए कल्पतरू अभियान शुरू करने जा रहा है।

इसके अन्तर्गत संस्थान के प्रत्येक सदस्य को कम से कम एक वृक्ष लगाना होगा। इसी तरह प्रत्येक सेवाकेन्द्र को 05 जून से 25 अगस्त के बीच कम से कम 75 वृक्ष लगाने की जिम्मेदारी दी गई है। वृक्ष लगाने के बाद तीन माह तक उसकी देखभाल भी करनी होगी। इसके लिए कल्पतरू नामक एप्प भी बनाया गया है जो कि पौधों की देखभाल करने के कार्य में लोगों का मार्गदर्शन करेगा।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.